

भारतीय जीवन बीमा निगम
(जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित)
जीवन बीमा निगम की जीवन लाभ (लाभ सहित)
(विशिष्ट पहचान संख्या 512N304V01)
पंजीयन संख्या 512

संदर्भ: नव व्यवसाय

(शाखा कार्यालय)

BADIGUNCHALA NAGARJUNA
S/O B VNKATESWARLU, # 7-158/89
OPP:-KONDAPALLI HOSPITAL, 1 ST LINE
BALAIAH NAGAR, NARASARAOPET [PO].
522601

LIC OF INDIA, NARASARAOPET BR OFFICE,
P B NO 13, SRINGERI MATH ROAD,
VARAVAKATTA, ARUNDEL PET
NARASARAOPET ANDHRA PRADESH
522601

दिनांक 30-01-2019

प्रिय पॉलिसीधारक,

विषय: आपकी पॉलिसी संख्या 678475909

उपरोक्त पालिसी दस्तावेज़ आपको सुपुर्द करते हुए हमें हर्ष हो रहा है। कृपया इसे विधिवत स्वीकार करें। हम आपका ध्यान पालिसी शैड्यूल में दी गई जानकारी पालिसी में उपलब्ध लाभों की तरफ भी आकर्षित करना चाहते हैं।

हमारी कुछ योजनाओं में राइडर सहित कतिपय विकल्प उपलब्ध हैं। यह महत्वपूर्ण है कि पालिसी दस्तावेज़ में उल्लिखित एवं योजना में उपलब्ध विकल्पों, यदि कोई है, को आप द्वारा ध्यानपूर्वक संज्ञान में लिया गया है, क्योंकि उपलब्ध किसी भी विकल्प का प्रयोग करने हेतु यह आपके लिए अत्यन्त सहायक होगा। कृपया यह भी नोट करें कि दस्तावेज़ में उल्लिखित विकल्प, यदि उपलब्ध हो तो, को विधिवत अपनाना एवं निर्धारित समय के अंदर अमल में लाना आवश्यक है।

फ्री लुक अवधि -

बीमा विनियमक एवं विकास प्राधिकरण द्वारा जारी पालिसी धारक के हित को सुरक्षित रखने हेतु अधिनियम २००२ के अनुसार आपसे अनुरोध है कि पालिसी दस्तावेज़ में अंकित सभी शर्तों एवं नियमों का अध्ययन करें। अगर कोई ऐसी शर्त जो आपको स्वीकार न हो तो आप पालिसी दस्तावेज़ मिलने के १५ दिनों के अंदर आपकी नामंजूरी का कारण बताते हुए हमें वापस कर सकते हैं। आपसे पालिसी दस्तावेज़ वापस प्राप्त होने पर हम उसे रद्द कर देंगे और प्रीमियम की राशि से जोखिम प्रभार, चिकित्सा शुल्क प्रभार और स्टैम्प प्रभार की कटौति करके शेष राशि आपको वापस कर दी जायेगी।

हम आपका ध्यान निम्नलिखित पहलुओं की ओर भी आकर्षित करना चाहेंगे।

- 1] पते में परिवर्तन :- यदि आप अपना निवासस्थान बदलते हैं तो कृपया सुनिश्चित करें कि आप द्वारा पते में परिवर्तन की सूचना सेवा प्रदान करने वाली शाखा को दी गई है।
 - 2] समनुदेशन:- समनुदेशन बीमा अधिनियम 1938 { जो समय-समय पर संशोधित } को धारा 38 के प्रावधानों के अनुसार हो। अधिक संदर्भ हेतु धारा 38 के प्रावधान परिशिष्ट I में संलग्न हैं।
 - 3] नामांकन :- नामांकन बीमा अधिनियम 1938 { जो समय-समय पर संशोधित } को धारा 39 के प्रावधानों के अनुसार हो। अधिक संदर्भ हेतु धारा 39 के प्रावधान परिशिष्ट II में संलग्न हैं।
 - 4] बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45 :- यह प्रावधान परिशिष्ट III में संलग्न है।
 - 5] यदि आप अपनी पालिसी हेतु एल.आई.सी.की ई-सेवा का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं तो सेवा संबंधित विवरण एवं प्रक्रिया हमारे वेबपेज www.licindia.in से प्राप्त कर सकते हैं।
- उपरोक्त पहलू हमें आपकी बेहतर सेवा करने का अवसर प्रदान करेंगे।
यदि आप इस दस्तावेज़ में कोई त्रुटि पाते हैं तो सुधार हेतु पॉलिसी वापस कर सकते हैं।

धन्यवाद।

भवदीय,

कृते मुख्य /वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
(Established by the Life Insurance Corporation Act, 1956)
Registration Number: 512

LIC's JEEVAN LABH (With Profits) (UIN: 512N304V01)

PART – A

Ref: NB

(Branch Office):

**BADIGUNCHALA NAGARJUNA
S/O B VNKATESWARLU, # 7-158/89
OPP:-KONDAPALLI HOSPITAL, 1 ST LINE
BALAIAH NAGAR, NARASARAOPET [PO].
522601**

**LIC OF INDIA, NARASARAOPET BR OFFICE,
P B NO 13, SRINGERI MATH ROAD,
VARAVAKATTA, ARUNDELPET
NARASARAOPET ANDHRA PRADESH
522601**

Date: 30-01-2019

Dear Policyholder,

Re: Your Policy No. **678475909**

We have pleasure in forwarding herewith the above policy document which please find in order.

We would also like to draw your kind attention to the information mentioned in the Schedule of the Policy and the benefits available under the Policy.

Some of our plans have certain options (including riders) available under them. It is important that the options, if any, available under this plan and mentioned in the policy document are noted carefully as it will be helpful to you, in case you decide to exercise any of the available options. It is also essential to note that such option, if available and mentioned in the document of this plan has to be exercised in the right manner and during the stipulated time limit as prescribed herein.

Free Look Period

As per IRDA (Protection of Policyholders' interests) Regulations, 2002 we would request you to go through the terms and conditions of the Policy and in case you disagree with any of the terms and conditions, you may return the Policy within a period of 15 days from the date of receipt of policy document stating the reasons of your objections and disagreement. On receipt of the policy we shall cancel the same and the amount of premium deposited by you shall be refunded to you after deducting the **proportionate risk premium (for Base Policy and riders, if any) for the period on cover and charges for medical examination, special reports, if any and stamp duty.**

We would also like to draw your attention to the following aspects:

- 1) Change of Address: In case you change your residence, kindly ensure that you inform the change in address to the servicing Branch Office.
- 2) Assignment: Assignment should be in accordance with provision of Section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 38 are enclosed in Annexure –I for reference.
- 3) Nomination: Nomination should be in accordance with provision of Section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 39 are enclosed in Annexure –II for reference.
- 4) Section 45 of Insurance Act, 1938: The current provision of the same is enclosed in Annexure –III.
- 5) In case you wish to avail LIC's e-services for your policy, the details on the procedure and services under the same can be obtained from our website: www.licindia.in

These measures will enable us to serve you better.

If you find any errors in this document, you may return this Policy for corrections.

Thanking you.

Yours faithfully,

p. Chief/Sr. Branch Manager

भाग -अ (जारी) / PART - A (Contd.)

भारतीय जीवन बीमा निगम को (जिसे यहाँ बाद में "निगम" कहा गया है) यहाँ नीचे संदर्भित अनुसूची में उल्लिखित प्रस्तावक तथा बीमित व्यक्ति से प्रस्ताव तथा घोषणापत्र और पहले प्रीमियम की प्राप्ति हुई है और उक्त प्रस्ताव तथा घोषणापत्र पर, उसमें निहित तथा उल्लिखित शर्तों सहित, उक्त प्रस्तावक और निगम के बीच इस बीमे के आधार के रूप में सहमति हो गयी है। अतः निगम इस पॉलिसी द्वारा कारर करता है कि अनुसूची में, निर्धारित परवर्ती प्रीमियों की विधिवत प्राप्ति होने पर और उसके प्रतिफल स्वरूप बीमा राशि का भुगतान बिना किसी व्याज के, निगम और निगम के शाखा कार्यालय में, जहाँ इस पॉलिसी के लिए सेवा उपलब्ध कराई जाती है, उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों को जिन्हें वह उक्त अनुसूची की शर्तों के अनुसार देय हो, निगम को इस बात का संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत करने पर करेगा कि अनुसूची के शर्तों के, अनुसार हितलाभ देय हो गए हैं और उसका दावा करने वाला/वाले उक्त व्यक्ति उसका / उसके हकदार है और प्रस्ताव पत्र में उल्लिखित बीमित व्यक्ति की उम्र सही है यदि पहले से स्वीकृत न हो।

और एतद्वारा यह भी घोषित किया जाता है कि यह पॉलिसी इसके पीछे की तरफ छपी परिभाषाओं, हितलाभों, सेवा प्रदान करने से संबंधित शर्तों, अन्य नियमों और शर्तों तथा वैधानिक प्रावधानों और निम्नलिखित अनुसूची तथा निगम द्वारा लगाए गए प्रत्येक पृष्ठों के पॉलिसी का अंग माना जाएगा, के विषयधीन होगी।

THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA (hereinafter called "the Corporation") having received a Proposal along with Declaration and the first premium from the Proposer and the Life Assured named in the Schedule referred to herein below and the said Proposal and Declaration with the statements contained and referred to therein having been agreed to by the said Proposer and the Corporation as basis of this assurance do by this Policy agree, in consideration of and subject to the due receipt of the subsequent premiums as set out in the Schedule, to pay the Benefits, but without interest, at the Branch Office of the Corporation where this Policy is serviced to the person or persons to whom the same is payable in terms of the said Schedule, on proof to the satisfaction of the Corporation of the Benefits having become payable as set out in the Policy Document, of the title of the said person or persons claiming payment and of the correctness of the age of the Life Assured stated in the Proposal if not previously admitted.

And it is hereby declared that this Policy of Assurance shall be subject to the Definitions, Benefits, Conditions Related To Servicing Aspects, Other Terms And Conditions and Statutory Provisions printed on the back hereof and that the following Schedule and every endorsement placed on the Policy by the Corporation shall be deemed part of the Policy.

मंडल कार्यालय / DIVISIONAL OFFICE: D067		अनुसूची / SCHEDULE		शाखा कार्यालय / BRANCH OFFICE 691		
<p>पॉलिसी सं.: Policy No.: 678475909 पॉलिसी की आरंभ तिथि : Date of Commencement of Policy: 28-01-2019 जोखिम के आरंभ होने की तिथि : Date of Commencement of Risk: 30-01-2019 प्लान तथा पॉलिसी की अवधि: Plan & Policy Term: 836 25 16 प्रीमियम भुगतान तिथि : Premium Paying Term: 16 परिपक्वता अवधि : Date of Maturity: 28-01-2044</p>		<p>मूल बीमा राशि (₹) : Basic Sum Assured (Rs.): 1000000 मूल पॉलिसी के लिए प्रीमियम की किस्त (₹) : Instalment Premium for Base Policy (Rs.) 44168.0 कुल किस्त प्रीमियम (₹) : Total Instalment Premium (Rs.): 45468.00 (सेवा कर तथा/या समय-समय पर लागू अन्य कर अतिरिक्त लिए जाएंगे) (Service tax and / or any other Tax as applicable from time to time is charged extra.)</p>		<p>प्रीमियम भुगतान की देय तिथि : Due date of premium: 28th प्रीमियम के भुगतान का माध्यम : Mode of payment of premium: Yly मूल पॉलिसी के लिए अंतिम प्रीमियम की देय तिथि : Due Date of Payment of Last premium for Base Policy: 28-1-2034 बीमित व्यक्ति की जन्म तिथि : Date of birth of the Life Assured: 09-04-1989 बीमित व्यक्ति की उम्र Age of the Life Assured: 30 क्या उम्र स्वीकृत है? Whether age Admitted? Yes</p>		
क्रम सं. Sr. No.	चुना गया राइडर Rider Opted	यूआईएन / UIN	राइडर बीमा राशि / Rider Sum Assured	राइडर के लिए किस्त प्रीमियम / Instalment Premium for Rider	राइडर के लिए अंतिम प्रीमियम के भुगतान की देय तिथि / Due date of payment of last premium for Rider	राइडर की समाप्ति की तिथि / Date of rider termination
1	ADDB Rider	512B209V02	1000000	1300.0	28-1-2034	28-01-2044
2						
3						
<p>नोट : भाग स (हितलाभ) की शर्त 4 के अंतर्गत उल्लेख किए गए राइडर की शर्तें केवल तभी लागू होंगी अगर इस राइडर को चुना गया हो। Note: Conditions of the rider(s) mentioned under condition no. 4 of Part C (Benefits) shall only apply if the above mentioned riders have been opted for.</p>						
<p>बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामित व्यक्ति का नाम Name of Nominees under Section 39 of the Insurance Act, 1938 : B ARUNA Rel: Wife यदि नामित अवयस्क है, तो नियुक्त व्यक्ति का नाम : If nominee is a minor, name of the Appointee:</p>				<p>प्रस्ताव सं./Proposal No.: 4974 प्रस्ताव की तिथि/ Date of Proposal: 30-01-2019 हितलाभ चित्रण संदर्भ सं./ Benefit Illustration Reference No.: 1 0000000000</p>		
<p>प्रस्तावक का नाम और पता / Name and address of Proposer: BADIGUNCHALA NAGARJUNA S/O B VNKATESWARLU, # 7-158/89 OPP:-KONDAPALLI HOSPITAL, 1 ST LINE BALAJIAH NAGAR, NARASARAOPET [PO]. 522601</p>				<p>बीमित व्यक्ति का नाम और पता / Name and address of Life Assured: BADIGUNCHALA NAGARJUNA S/O B VNKATESWARLU, # 7-158/89 OPP:-KONDAPALLI HOSPITAL, 1 ST LINE BALAJIAH NAGAR, NARASARAOPET [PO]. 522601</p>		

<p>लाभार्थी, हितलाभ जिसे देय है Beneficiary to whom Benefits payable</p>	<p>बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अंतर्गत प्रस्तावक या बीमित व्यक्ति या उसके समनुदेशित को या बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामितों या प्रमाणित निष्पादकों या प्राशसकों या अन्य वैधानिक प्रतिनिधियों को जिन्होंने उसकी संपदा या इस पॉलिसी के अंतर्गत देय राशि मात्र के लिए भारत संघ के किसी राज्य संघ शासित प्रदेश के किसी न्यायालय, जो भी लागू हो, से अपने प्रतिनिधि होने का प्रमाणपत्र प्राप्त किया होगा। The proposer or the Life Assured or his Assignee under Section 38 of Insurance Act, 1938 or Nominees under Section 39 of Insurance Act, 1938 or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives who should take out representation to his/ her Estate or limited to the moneys payable under this Policy from any Court of any State or Territory of the Union of India, as applicable.</p>
<p>प्रीमियम किस अवधि तक देय Period during which premiums payable</p>	<p>अंतिम प्रीमियम के भुगतान की तिथि या बीमित व्यक्ति की उससे पूर्व मृत्यु होने तक Till the stipulated due date of payment of last premium or earlier death of the Life Assured.</p>
<p>प्रीमियम देय होने की तिथि Dates when premium payable</p>	<p>निर्धारित देय तिथि को Clauses : On the stipulated due date in January</p>

निगम के लिए उपरोक्त शाखा कार्यालय पर हस्ताक्षरित, जिसका पता अंतिम पृष्ठ पर दिया गया है तथा जिस पर पॉलिसी से संबंधित सभी पत्राचार भेजे जाने चाहिए।

Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the policy should be addressed.

दिनांक / Date: **30-01-2019**

जांचकर्ता / Examined by: **625405**

फॉर्म नं. / Form No.:

कृते वरिष्ठ/मुख्य/शाखा प्रबंधक / p. Chief/ Sr. Branch Manager

एजेंसी कोड Agency Code	एजेंट का नाम Agency Name	एजेंट का मोबाईल नंबर/लैंडलाइन नंबर Agent's Mobile Number / Landline Number
02617691	P SAMBASIVA RAO	0 0

CONSOLIDATED STAMP DUTY PAID TO INSPECTOR GENERAL OF REGISTRATIONS AND STAMPS - PERMISSION VIDE ORDER Stamp Fee Rs. 400.0

पॉलिसी दस्तावेज में प्रयुक्त शब्दों /शब्दावली की परिभाषाएं निम्नानुसार हैं :

1. उम्र का अर्थ पॉलिसी के आरंभ होते समय बीमित व्यक्ति के नजदीकी जन्मदिन से है सिवाय 8 वर्ष की उम्र के लिए, जहां उम्र पूर्ण वर्षों में है।
2. नियुक्त -व्यक्ति (एगोइन्टी) वह व्यक्ति है जिसे पॉलिसी के अंतर्गत दावे के भुगतान की तिथि को नामित के नाबालिग होने तथा उसे दावे की राशि देय होने पर वह सुरक्षित राशि/हितलाभ देय होती है।
3. वार्षिकीकृत प्रीमियम एक पॉलिसी वर्ष में कुल देय प्रीमियम राशि है। जो कि बीमालेखन निर्णयों तथा राइडर प्रीमियमों, अगर कोई हो के कारण ली जानेवाली किसी अतिरिक्त राशि के अलावा है।
4. समनुदेशिती वह व्यक्ति है जिसे समनुदेशन के फलस्वरूप पॉलिसी के अधिकार तथा हितलाभ हस्तांतरित किए जाते हैं।
5. समनुदेशन बीमा अधिनियम 1938 की धारा 38 के अंतर्गत "समनुदेशिती" के पक्ष में पॉलिसी के अधिकारों तथा हितलाभों के स्थानान्तरित होने की प्रक्रिया है।
6. मूल पॉलिसी यह पॉलिसी का वह हिस्सा होता है जो मूल हितलाभों का उल्लेख करता है (इस पॉलिसी कागजात में उल्लिखित लाभों में राइडर (स) के अंतर्गत अगर चुने गए हों, लाभों का समावेश नहीं होता है।)
7. लाभार्थी का अर्थ ऐसे व्यक्ति से है जो इस पॉलिसी के अंतर्गत हितलाभों को प्राप्त करने का पात्र है। लाभार्थी, प्रस्तावक या बीमित व्यक्ति या उसका समनुदेशिती या नामित व्यक्ति या प्रमाणित निष्पादक या प्रशासक या कोई अन्य वैधानिक प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, हो सकता है।
8. निगम का अर्थ एलआईसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम से है।
9. पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि का अर्थ इस पॉलिसी के शुरू होने की तिथि है।
10. जोखिम के आरंभ होने की तिथि वह तिथि है जब निगम बीमा हेतु पॉलिसी की तालिका के अनुसार जोखिम (संरक्षण) को स्वीकार कर लेता है।
11. परिपक्वता की तिथि का अर्थ वह निश्चित तिथि है जब हितलाभ पूर्णतः या आकस्मिक रूप से देय होता है।
12. निहित होने की तिथि वह तिथि जब पॉलिसी के हितलाभ पाने के लिए बीमित व्यक्ति हकदार होता है जैसा कि इस पॉलिसी दस्तावेज के भाग स की शर्त 3 में विनिर्दिष्ट किया गया है।
13. मृत्यु पर मिलने वाली रकम का अर्थ करार के आरंभ के समय सहमत हितलाभ से है, जो कि इस पॉलिसी दस्तावेज के "भाग स" की शर्त 2 में विनिर्धारित बीमित व्यक्तिकी मृत्यु की दशा में देय है।
14. डिस्चार्ज फॉर्म पॉलिसीधारक/दावेदार द्वारा पॉलिसी के अंतर्गत परिपक्वता/अभ्यर्पण/मृत्यु पर प्राप्त होने वाले हितलाभ का दावा करने के लिए भरा जाने वाला फॉर्म है।
15. देय तिथि का अर्थ वह निर्धारित तिथि है जब प्रीमियम देय तथा पॉलिसीधारक द्वारा भुगतान योग्य हों।
16. पृष्ठांकन से अर्थ निगम द्वारा किन्हीं सहमत या जारी संशोधनों या परिवर्तनों को इस पॉलिसी में शामिल करने के लिए संलग्न/जोड़ी गई शर्तों से है।
17. अंतिम अतिरिक्त बोनस, जिसे टर्मिनल (समाप्ति) बोनस भी कहा जाता है, पॉलिसी की समाप्ति पर, हितलाभों के साथ देय अतिरिक्त राशि है, अगर लागू हो।
18. पूर्व समाप्ति बकाया ऋण या लोन पर व्याज को देय तिथि तक न चुकाने पर पॉलिसी की पूर्व-समाप्ति की क्रिया है।
19. फ्री लुक पीरियड पॉलिसी दस्तावेज की प्राप्ति से 15 दिनों की अवधि इस पॉलिसी के नियमों तथा शर्तों की समीक्षा करने के लिए है, और अगर पॉलिसीधारक उन नियमों तथा शर्तों में से किसी से असहमत हो, तो उसके पास इस पॉलिसी को लौटाने का विकल्प है।
20. रियायती अवधि यह प्रीमियम की देय तिथि से बीमाकर्ता द्वारा दिया गया भुगतान हेतु वह समय है जिसके दौरान बिना किसी जुर्माने/विलम्ब शुल्क के भुगतान किया जा सकता है तथा पॉलिसी का जोखिम संरक्षण के साथ प्रभावी माना जाता है तथा पॉलिसी की अवधि में कोई व्यवधान नहीं आता है।
21. गारंटीड सरेन्डर मूल्य पॉलिसी के सरेन्डर किए जाने पर पॉलिसीधारक को अदा किए जाने वाले सरेन्डर मूल्य की न्यूनतम गारंटीड राशि है।
22. पूर्णतः प्रभावी का अर्थ यह है कि पॉलिसी के अंतर्गत सभी देय प्रीमियम का देय तिथि से पहले या रियायती अवधि में भुगतान कर दिया गया है।
23. आईआरडीएआई का अर्थ है इंश्योरेंस रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले इसे इंश्योरेंस रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (आईआरडीए) कहा जाता था।
24. कालातीत (लैप्स्) पॉलिसी की वह दशा है जब रियायती अवधि के दौरान देय प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाता है।
25. बीमित व्यक्ति वह व्यक्ति है जिसके जीवन पर बीमा संरक्षण लिया गया है।
26. ऋण निगम द्वारा पॉलिसीधारक को पॉलिसी पर देय सरेन्डर मूल्य पर प्रदान की गयी व्याजयुक्त राशि है।
27. परिपक्वता हितलाभ का अर्थ वह हितलाभ है जो कि परिपक्वता अर्थात् इस पॉलिसी दस्तावेज के भाग स की शर्त 1 पर उल्लिखित पॉलिसी अवधि की समाप्ति पर देय है, अगर बीमित व्यक्ति पॉलिसी की परिपक्वता की तिथि तक जीवित रहता है।
28. महत्वपूर्ण जानकारी वह जानकारी है जो कि पॉलिसी प्राप्त करते समय बीमित व्यक्ति को पहले से ज्ञात थी, जिसका प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव के बीमालेखन पर प्रभाव होता है।
29. अवयस्क या नाबालिग वह व्यक्ति है जिसने 18 वर्ष की उम्र पूरी न की हो।
30. नामांकन किसी व्यक्ति को "नमित" करने के लिए प्रस्ताव प्रपत्र में या बाद में पृष्ठांकन द्वारा शामिल करने/बदलने की प्रक्रिया है। नामांकन, समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 39 के प्रावधान के अनुसार किया जाना चाहिए।
31. नामित वह व्यक्ति है जो बीमित व्यक्ति की पॉलिसी की परिपक्वता से पूर्व मृत्यु की दशा में पॉलिसी की राशि को मान्य रूप से उन्मोचित (डिस्चार्ज) करने का अधिकार रखता है।
32. प्रतिभागी का अर्थ है निगम के अनुभव के आधार पर पॉलिसी मुनाफे में भागीदारी का पात्र है।
33. चुकता पॉलिसी की वह स्थिति है, कम से कम 3 पूरे वर्षों हेतु प्रीमियम्स का भुगतान अदा किया जाता है और परवर्ती प्रीमियम का भुगतान रियायती अवधि के दौरान नहीं किया जाता है।
34. पॉलिसी वर्षगांठ का अर्थ पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि से एक वर्ष तथा उसके बाद परिपक्वता तक एक वर्ष बाद आनेवाली प्रत्येक तिथि से है।
35. पॉलिसी/पॉलिसी दस्तावेज का अर्थ पृष्ठांकनों, अगर कोई हो, सहित निगम द्वारा जारी वह दस्तावेज है जो कि पॉलिसीधारक तथा निगम के बीच एक वैधानिक अनुबंध होता है।
36. पॉलिसीधारक इस पॉलिसी का कानूनी मालिक है।
37. पॉलिसी अवधि वर्षों में पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि से वह अवधि है, जब पॉलिसी के नियमों व शर्तों के अनुसार संविदागत हितलाभ देय होते हैं।
38. पॉलिसी वर्ष दो लगातार पॉलिसी वर्षगांठों के बीच की अवधि है। इस अवधि में पहला वर्षगांठ का दिन शामिल है तथा अगला पॉलिसी वर्षगांठ दिन शामिल नहीं है।
39. प्रीमियम पॉलिसी के अंतर्गत हितलाभों को सुरक्षित करने के लिए इस पॉलिसी दस्तावेज की अनुसूची में उल्लिखित विनिर्धारित समयों पर आवधिक रूप से पॉलिसीधारक द्वारा अदा की जाने वाली संविदागत राशि है। अदा किया जाने वाला प्रीमियम होगा "कुल किस्त प्रीमियम" जिसमें शामिल होगा
 - i) मूल पॉलिसी के लिए किस्ता प्रीमियम तथा
 - ii) राइडर के लिए किस्त प्रीमियम, अगर राइडर को चुना गया हो इस पॉलिसी कागजात में कहीं भी इस्तेमाल किए गए शब्द "प्रीमियम" में किन्हीं करों को शामिल नहीं किया गया है।
40. प्रीमियम भुगतान अवधि का अर्थ वर्षों में वह अवधि है, जिसके दौरान प्रीमियम का भुगतान किया जाता है।
41. निरन्तर बीमा योग्यता का प्रमाण यह पॉलिसीधारक से मांगी जानेवाली जानकारी है ताकि पॉलिसी के पुनःप्रचलन का निर्णय लिया जा सके। इसमें उत्तम स्वास्थ्य की घोषणा, मेडिकल रिपोर्ट्स, विशेष रिपोर्ट्स आदि का समावेश है।
42. प्रस्तावक वह व्यक्ति है जो जीवन बीमा लेने का प्रस्ताव देता है।
43. पुनः प्रचालन का अर्थ प्रीमियम का भुगतान न किए जानेवाली पॉलिसी को, सभी देय प्रीमियम तथा अन्य प्रभारों/विलम्ब शुल्क, अगर कोई हो, पॉलिसी के नियमों व शर्तों के अनुसार प्राप्त होने तथा पॉलिसीधारक द्वारा मौजूदा बीमालेखन दिशानिर्देशों के अनुसार पेश की गई जानकारी, कागजातों तथा रिपोर्ट्स के आधार पर बीमाधारक की निरन्तर बीमायोग्यता के बारे में संतुष्टि होने पर बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसी को पॉलिसी दस्तावेज में उल्लेख किए गए समस्त हितलाभों फिर से चालू किए जाने से है।
44. पुनः प्रचालन अवधि इसका अर्थ पॉलिसी के अप्रभावी होने की तिथि से लगातार दो वर्षों की अवधि है, जिसे अवधि के दौरान पॉलिसीधारक पॉलिसी के पुनःप्रचालित करने का पात्र है, जिसे प्रीमियम का भुगतान न किए जाने के कारण अप्रभावी कर दिया गया हो।
45. राइडर इस पॉलिसी के अंतर्गत विनिर्धारित किए गए अनुसार मूल हितलाभों के साथ जोड़ा गया एक मूल्यवर्द्धित हितलाभ है।
46. राइडर प्रीमियम पॉलिसीधारक द्वारा, अगर राइडर चुना गया हो तो उसके अतिरिक्त संरक्षण/हितलाभ के लिए मूल प्लान के अंतर्गत देय प्रीमियम के साथ अदा किया जाने वाला प्रीमियम है।
47. राइडर बीमा राशि वह निश्चित रकम है जो कि राइडर के अंतर्गत संरक्षित घटना के घटित होने पर, अगर उसे चुना गया हो, देय होती है।
48. अनुसूची आपके पॉलिसी दस्तावेज का एक अंग है जिसमें आपकी पॉलिसी का विवरण मौजूद है।
49. सरल प्रत्यावर्ती बोनस "लाभ सहित" पॉलिसियों पर निगम द्वारा अतिरिक्त लाभ के रूप में जोड़ा जाता है। निगम के अनुभव के अनुसार इसे प्रत्येक वित्तीय वर्ष

के अंत में प्रति हजार मूल बीमा राशि पर घोषित किया जाता है।

50. मृत्यु पर बीमा राशि इस पॉलिसी की अवधि के दौरान मृत्यु पर देय सुनिश्चित राशि।
51. परिपक्वता पर बीमा राशि यह कुल राशि है जो परिपक्वता पर देय है जिसका उल्लेख इस पॉलिसी कागजात के भाग स की शर्त 1 में उल्लेख किया गया है।
52. अभ्यर्पण का अर्थ पूरी पॉलिसी को परिपक्वता से पहले वापस लेना/समाप्त करना है।
53. अभ्यर्पण मूल्य का अर्थ, वह राशि है, अगर कोई हो, जो कि इस पॉलिसी के नियमों तथा शर्तों के अनुसार उसे सरेन्डर करने की स्थिति में देय होती है।
54. तालिका प्रीमियम यह बीमित व्यक्ति की उम्र के आधार पर चुनी गई मूल बीमा राशि के लिए प्रीमियम है जिसमें किसी रिबेट या अतिरिक्त लोडिंग को शामिल नहीं किया गया है।
55. बीमालेखन शब्द का इस्तेमाल जोखिम आकलन की प्रक्रिया का वर्णन करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा जिन जोखिमों का सामना किया जा रहा है, उनके संरक्षण के लिए यह आनुपातिक लागत है। बीमालेखन के आधार पर संरक्षण की स्वीकृति या अस्वीकृति तथा उपयुक्त प्रीमियम या संशोधित शर्तों को लागू किए जाने, अगर कोई हो, के संबंध में फैसला लिया जाता है।
56. UIN का अर्थ इस प्लान को आईआरडीए द्वारा आवंटित यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर है।
57. निहित बोनस यह प्रत्यावर्ती बोनस है जो घोषित किया जा चुका है तथा पॉलिसी के साथ जुड़ा रहता है।
58. लाभ सहित पॉलिसियां के तात्पर्य ऐसी पॉलिसियां से हैं, जो पॉलिसी के नियमों और शर्तों के अनुसार पॉलिसी की अवधि के दौरान निगम को प्राप्त होने वाली अतिरिक्त राशि (मुनाफे) में भागीदारी की पात्र होती हैं।

PART – B: DEFINITIONS

The definitions of terms/words used in the policy documents are as under:

1. **Age** is the age nearest birthday of the Life Assured at the time of the commencement of the policy except for age 8 years for which the age is in completed years.
2. **Appointee** is the person to whom the proceeds/benefits secured under the Policy are payable if the benefit becomes payable to the nominee and nominee is minor as on the date of claim payment.
3. **Annualized Premium** is the total amount of premium payable in a policy year excluding extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and rider premiums, if any.
4. **Assignee** is the person to whom the rights and benefits are transferred by virtue of an Assignment.
5. **Assignment** is the process of transferring the rights and benefits to an "Assignee". Assignment should be in accordance with the provisions of section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
6. **Base Policy** is that part of the Policy referring to basic benefit (benefits referred to in this policy document excluding benefits covered under Rider(s), if opted for).
7. **Beneficiary** means the person who is entitled to receive benefits under this Policy. The Beneficiary may be proposer or Life Assured or his Assignee or Nominees or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives as the case may be.
8. **Corporation** means the Life Insurance Corporation of India established under Section 3 of the LIC Act, 1956.
9. **Date of commencement of policy** is the start date of this Policy.
10. **Date of commencement of risk** is the date on which the Corporation accepts the risk for insurance (cover) as evidenced in the schedule of the policy.
11. **Date of Maturity** means a fixed date on which benefit may become payable either absolutely or contingently.
12. **Date of vesting** is the date from which the Life Assured becomes entitled to the policy benefits as specified in Condition 3 of Part C of this Policy Document.
13. **Death Benefit** means the benefit, agreed at the inception of the contract, which is payable on death of Life Assured as specified in condition 2 of Part C of this Policy document.
14. **Discharge form** is the form to be filled by policyholder/claimant to claim the maturity / surrender / death benefit under the policy.
15. **Due Date** means a fixed date on which the policy premium is due and payable by the policyholder.
16. **Endorsement** means conditions attached/ affixed to this Policy incorporating any amendments or modifications agreed to or issued by the Corporation.
17. **Final Additional Bonus**, also called as Terminal Bonus, is an additional amount payable along with the benefits on termination of the policy, if applicable.
18. **Foreclosure** is an action of closing the policy due to default in payment of outstanding loan and / or loan interest on due date.
19. **Free Look Period** is the period of 15 days from the date of receipt of the policy document by the policyholder to review the terms and conditions of this policy and where the policyholder disagrees to any of those terms and conditions, he/ she has the option to return this policy.
20. **Grace period** is the time granted by the insurer from the due date for the payment of premium, without any penalty/ late fee, during which time the policy is considered to be inforce with the risk cover without any interruption as per the terms of the policy.
21. **Guaranteed Surrender Value** is the minimum guaranteed amount of Surrender Value payable to the policyholder on surrender of the policy.
22. **Inforce** means all due premiums have been paid on or before the due date or within the grace period.
23. **IRDAI** means Insurance Regulatory and Development Authority of India earlier called as Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA).
24. **Lapse** is the status of the Policy when a due premium is not paid within the grace period.
25. **Life Assured** is the person on whose life the insurance cover has been accepted.
26. **Loan** is the interest bearing repayable amount granted by the Corporation against the surrender value payable to the policyholder.
27. **Maturity Benefit** means the benefit, which is payable on maturity i.e. at the end of the policy term as specified in condition 1 of Part C of this Policy Document, on life assured surviving the stipulated Date of Maturity.
28. **Material information** is the information already known to the Life Assured at the time of obtaining a policy which has a bearing on underwriting of the proposal /Policy submitted.
29. **Minor** is a person who has not completed 18 years of age.
30. **Nomination** is the process of nominating a person who is named as "Nominee" in the proposal form or subsequently included/ changed by an endorsement. Nomination should be in accordance with provisions of section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
31. **Nominee** is the person who has right to give a valid discharge to the policy monies in case of the death of the Life Assured.
32. **Participating** means the Policy is eligible for share of profit depending upon the Corporation's experience.
33. **Paid - Up** is the status of the Policy if the premiums are paid for at least 3 full years and subsequent premiums are not paid within the grace period.
34. **Policy Anniversary** means one year from the date of commencement of the Policy and the same date falling one year thereafter, till the date of maturity.
35. **Policy/ Policy Document** means this document along with endorsements, if any, issued by the Corporation which is a legal contract between the Policyholder and the Corporation.
36. **Policyholder** is the legal owner of this policy.
37. **Policy term** is the period, in years, from the Date of commencement of policy during which the contractual benefits are payable as per the terms and conditions of the policy.
38. **Policy year** is the period between two consecutive policy anniversaries. This period includes the first day and excludes the next policy anniversary day.
39. **Premium** is the contractual amount payable by the Policyholder at specified times periodically as mentioned in the schedule of this Policy Document to secure the benefits under the policy. The premium payable will be "Total Installment Premium" which includes
 - i. Installment Premium for Base Policy and
 - ii. Installment Premium for Rider, if Rider has been opted for.The term 'Premium' used anywhere in this Policy Document does not include any taxes.
40. **Premium paying term** means the period, in years, during which premium is payable.

41. **Proof of continued insurability** is the information sought from the policyholder to decide revival of the policy. This includes Form of declaration of Good Health, Medical Reports, Special Reports, etc.
42. **Proposer** is a person who proposes the life insurance proposal.
43. **Revival** of a policy which was discontinued due to the non-payment of premium, means restoration of the policy by the insurer as per underwriting decision, upon the receipt of all the premium due and other charges/ late fee, if any, as per the terms and conditions of the policy, upon being satisfied as to the continued insurability of the insured on the basis of the information, documents and reports furnished by the policyholder, in accordance with the then existing underwriting guidelines.
44. **Revival Period** is the period of two consecutive years from the date of discontinuance of the policy, during which period the policyholder is entitled to revive the policy which was discontinued due to the non-payment of premium.
45. **Rider** is an add-on benefit in addition to basic benefits as specified under this Policy Document.
46. **Rider Premium** is the premium payable by the Policyholder along with the premium under Base Policy towards the additional cover/benefit opted under the rider, if opted.
47. **Rider Sum Assured** is the assured amount payable on happening of a specified event covered under the rider, if opted.
48. **Schedule** is the part of policy document that gives the specific details of your policy.
49. **Simple Reversionary Bonus** is the surplus/profit added by the Corporation to 'with-profits' policies. It is declared per thousand Basic Sum Assured at the end of each financial year based on the Corporation's experience.
50. **Sum Assured on Death** is the assured amount payable on death during the policy term.
51. **Sum Assured on Maturity** is the absolute amount payable on maturity as mentioned in Condition 1 of Part C of this Policy Document.
52. **Surrender** means complete withdrawal / termination of the entire policy before maturity.
53. **Surrender Value** means an amount, if any, that becomes payable in case of surrender in accordance with the terms and condition of this policy.
54. **Tabular premium** is the premium for the chosen Basic Sum Assured based on the age of the Life Assured without application of any rebate or extra loading.
55. **Underwriting** is the term used to describe the process of assessing risk and ensuring that the cost of the cover is proportionate to the risks faced by the individual concerned. Based on underwriting, a decision on acceptance or rejection of cover as well as applicability of suitable premium or modified terms, if any, is taken.
56. **UIN** means the Unique Identification Number allotted to this plan by the IRDAI.
57. **Vested Bonus** is the reversionary bonus, if any, which has already been declared and remains attached to the policy.
58. **With Profits policies** means policies which are entitled for any share in surplus (profits) emerging during the term of the policy in accordance with the terms and conditions of the policy.

भाग - स: हितलाभ
PART - C : BENEFITS

इस पॉलिसी के अंतर्गत निम्न लिखित हितलाभ देय हैं :

The following benefits are payable under this policy:

1. **परिपक्वता हितलाभ :** बीमित व्यक्ति के परिपक्वता की निर्धारित अवधि तक जीवित रहने पर, बशर्त पॉलिसी पूर्णतः प्रभावी हो, "परिपक्वता पर बीमा राशि" निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों तथा अंतिम अतिरिक्त बोनस, अगर कोई हो, के साथ देय होगी। जहां परिपक्वता पर बीमा राशि मूल बीमा राशि के समान होगी।
Maturity Benefit: On Life Assured surviving the stipulated Date of Maturity provided the policy is inforce, Sum Assured on Maturity along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where Sum Assured on Maturity is equal to Basic Sum Assured.
2. **मृत्यु पर देय राशि :** बीमित व्यक्ति, की परिपक्वता की निर्धारित तिथि से पूर्व मृत्यु होने पर, बशर्त पॉलिसी पूर्णतः प्रभावी हो, मृत्यु पर मिलने वाली रकम, जिसे "मृत्यु पर बीमा राशि" तथा निहित प्रत्यावर्ती बोनस और अंतिम अतिरिक्त बोनस, अगर कोई हो, के कुल के रूप में परिभाषित किया गया है, देय होगी। "मृत्यु पर बीमा राशि" को वार्षिकीकृत प्रीमियम के 10 गुना या पूर्ण बीमा राशि यानी मूल बीमा राशि में से जो भी अधिक हो, के रूप में परिभाषित किया गया है, देय होगी।
मृत्यु पर मिलने वाली यह रकम मृत्यु की तिथि तक अदा किए गए कुल प्रीमियमों के 105% से कम नहीं होगी। इसमें बीमालेखन संबंधी निर्णयों के कारण, मृत्यु की तिथि तक अगर पॉलिसी पर कोई अतिरिक्त राशि प्रभारित की गई हो तथा राइडर प्रीमियम, अगर हो तो उन्हें शामिल नहीं किया गया है।
Death Benefit: On death of the Life Assured before the stipulated Date of Maturity provided the policy is inforce, then Death Benefit, defined as sum of "Sum Assured on Death", vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where, "Sum Assured on Death" is defined as higher of Absolute amount assured to be paid on death i.e. Basic Sum Assured or 10 times of Annualized Premium.

This Death Benefit shall not be less than 105% of the total Premiums paid excluding extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and Rider Premium(s), if any, as on date of death.
3. **निहित होने की तिथि (केवल तभी लागू अगर पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि को बीमित व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष से कम हो):** अगर पॉलिसी पूरी तरह से प्रभावी हो तथा निहित होने की तिथि तक बीमित व्यक्ति जीवित हो और इस निहित होने की तिथि से पहले पॉलिसी की धनराशि हेतु पात्र व्यक्ति से पॉलिसी को अभ्यर्पण करने के लिए लिखित में अनुरोध प्राप्त नहीं होता है तो निहित होने की इस तिथि को अर्थात् 18 वर्ष की उम्र पूरी होने से मेल खाने वाली पॉलिसी वर्षगांठ को या उसके तुरंत बाद पॉलिसी बीमित व्यक्ति को स्वतः निहित हो जाएगी और इस प्रकार निहित होने को निगम और बीमित व्यक्ति के बीच करार माना जाएगा। बीमित व्यक्ति को पॉलिसी का संपूर्ण मालिक माना जाएगा तथा प्रस्तावक या उसके एस्टेट का उसमें कोई हित या अधिकार नहीं होगा।
Date of Vesting (Applicable only if the age of the Life Assured is below 18 years on the date of commencement of policy) : If the Life Assured is alive on the vesting date and if a request in writing for surrendering the policy has not been received by Corporation before such vesting date from the person entitled to the policy moneys, this policy shall automatically vest in the Life Assured on such vesting date i.e. on the policy anniversary coinciding with or immediately following the completion of 18 years of age and shall on such vesting be deemed to be a contract between the Corporation and the Life Assured. The Life Assured shall become the absolute owner of the policy and the proposer or his estate shall cease to have any right or interest therein.
4. **राइडर हितलाभ**
अ. एलआईसी का दुर्घटनात्मक मृत्यु तथा विकलांगता हितलाभ राइडर (UIN-512B209 V02) (अगर चुना गया हो) : **संलग्न पृष्ठांकन को संदर्भित करें।**
ब. एलआईसी का न्यू टर्म एश्योरेन्स राइडर (UIN: 512B210V01) (अगर चुना गया हो) : **संलग्न पृष्ठांकन को संदर्भित करें।**
Rider Benefits:
A. LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider (UIN: 512B209V02) (if opted): Refer separate endorsement **attached.**
B. LIC's New Term Assurance Rider (UIN 512B210V01) (if Opted): -Refer separate endorsement **attached.**
5. **लाभों में प्रतिभागिता :** पॉलिसी के पूरी तरह से प्रभावी होने पर, निगम के अनुभव के आधार पर पॉलिसी समय-समय पर संशोधित एलआईसी अधिनियम 1956 की धारा 28 के प्रावधानों के अनुसार लाभों में प्रतिभागिता करेगी तथा यह पॉलिसी निगम द्वारा घोषित दर और शर्तों के अनुसार सरल प्रत्यावर्ती बोनस की पात्र होगी।
सरल प्रत्यावर्ती बोनसों की घोषणा वार्षिक रूप से प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर की जाएगी, बशर्त पॉलिसी पूरी तरह से प्रभावी हो। एक बार घोषित किए जाने पर वे प्लान के गारंटीड हितलाभों का हिस्सा होंगे। सरल प्रत्यावर्ती बोनसों को पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि से चुनी हुई पॉलिसी अवधि या मृत्यु होने तक, जो भी पहले हो, जोड़ा जाएगा।
चुकता पॉलिसी के मामले में, निहित बोनसों का भुगतान तभी किया जाएगा, अगर कम से कम तीन पूरे वर्षों के प्रीमियम भरे गए हों।
अगर प्रीमियमों का विधिवत भुगतान नहीं किया गया हो तो पॉलिसी लाभों में प्रतिभागिता नहीं करेगी, चाहे पॉलिसी ने चुकता मूल्य प्राप्त किया हो या नहीं।
अगर पॉलिसी को अभ्यर्पण किया जाता है, तो निहित बोनसों का सरेन्डर मूल्य, अगर कोई हो, समर्पण की तिथि को जो भी लागू हो, इस पॉलिसी दस्तावेज के भाग द की शर्त सं.4 में विनिर्धारित अनुसार देय होगा।
पॉलिसी के अंतर्गत अंतिम अतिरिक्त बोनस की घोषणा उस वर्ष की जा सकती है, जब मृत्यु या परिपक्वता के कारण दावे की स्थिति उत्पन्न हों।
चुकता पॉलिसियों के अंतर्गत अंतिम अतिरिक्त बोनस का भुगतान नहीं किया जाएगा।
Participation in profits: Provided the policy is inforce, depending upon the Corporation's experience the policy shall participate in profits in accordance with the provisions of Section 28 of LIC Act, 1956, as amended from time to time and this policy will be eligible for Simple Reversionary Bonus at such rate and on such terms as may be declared by the Corporation.

Simple Reversionary Bonuses shall be declared annually at the end of each financial year provided the policy is in force. Once declared, they form part of the guaranteed benefit of the plan. Simple reversionary bonuses will be added from the date of commencement of policy until the selected policy term or till death, if it occurs earlier.

In case the premiums shall not be duly paid, the policy shall cease to participate in future profits irrespective of whether or not the policy has acquired paid up value.

In the event of policy being surrendered, the Surrender Value of vested bonuses, if any, as applicable on the date of surrender, will be payable as specified in Condition 4 of Part D of this Policy document.

Final Additional Bonus may also be declared under the policy in the year when the policy results into a claim either by death or maturity.

Final Additional Bonus shall not be payable under paid up policies.

6. प्रीमियम का भुगतान

- (अ) पॉलिसीधारक को इस पॉलिसी दस्तावेज की अनुसूची में विनिर्धारित देय तिथियों पर प्रीमियम का भुगतान सेवा कर तथा समय-समय पर लागू किसी अन्य कर के साथ करना होगा।
- (ब) रियायत अवधि: प्रीमियम भुगतान के वार्षिक, छमाही या तिमाही माध्यमों के लिए एक कैलेंडर माह या 30 दिनों तक की और मासिक प्रीमियमों के लिए 15 दिनों रियायती अवधि दी जाएगी। अगर रियायती के दिनों के समाप्त होने तक प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाता है, पॉलिसी कालातीत हो जाएगी। अगर बीमित व्यक्ति की मृत्यु रियायती अवधि के दौरान लेकिन तब देय प्रीमियम के भुगतान से पहले हो जाती है तो पॉलिसी मान्य रहेगी तथा उस प्रीमियम और पॉलिसी की अगली वर्षगांठ से पहले देय भुगतान न किए गए प्रीमियम को भी काटकर हितलाभों का भुगतान कर दिया जाएगा।
- (स) अगर पॉलिसी प्रभावी है और पॉलिसी के अंतर्गत बीमित व्यक्ति की मृत्यु के मामले में दावा दर्ज हुआ है, जहां प्रीमियम के भुगतान का माध्यम वार्षिक माध्यम से भिन्न है, अगर किन्हीं प्रीमियम्स का भुगतान मृत्यु के बाद नहीं किया गया है, और वे अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले देय होती हैं, तो उन्हें दावे की राशि से काट लिया जाएगा।

Payment of Premiums

- (a). The policyholder has to pay the premium on the due dates as specified in the Schedule of this Policy Document along with Service Tax and or any other Tax as applicable from time to time.
- (b). **Grace period:** A grace period of one month but not less than 30 days shall be allowed for payment of yearly or half-yearly or quarterly premiums and 15 days for monthly premiums. If the premium is not paid before the expiry of the days of grace, the Policy lapses.
- If the death of the Life Assured occurs within the grace period but before the payment of the premium then due, the policy will still be valid and the benefits shall be paid after deductions of the said unpaid premium as also the balance premium (s), if any, falling due from the date of death and before the next policy anniversary.
- (c). In case of death of Life Assured under an inforce policy where in all the premiums due till the date of death have been paid and where the mode of payment of premium is other than yearly, balance premium(s), if any, falling due from the date of death and before the next policy anniversary shall be deducted from the claim amount.

भाग - द: सेवा प्रदान करने के पहलू से संबंधित शर्तें PART – D: CONDITIONS RELATED TO SERVICING ASPECTS

1. उम्र का प्रमाण : प्रस्ताव प्रपत्र में घोषित की गई बीमित व्यक्ति की उम्र पर प्रीमियम की गणना हो जाने के पश्चात यदि उम्र उस उम्र से अधिक पायी जाती है तो बिना किसी पूर्वाग्रह बीमा अधिनियम 1938 के अंतर्गत उपलब्ध अधिकारों और उपचारों सहित निगम के अन्य अधिकारों और उपचारों को क्षति पहुंचाए बिना, ऐसे मामले में प्रीमियम समय सही उम्र के आधार पर मूल बीमारशि और राइडर्स बीमारशि, अगर लिया गया हो तो, के लिए निकाली गई दर से देय होगा और बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक निगम को पॉलिसी आरंभ होने से लेकर ऐसे भुगतान की तिथि तक मूल प्रीमियम और सही उम्र के लिए प्रीमियम के बीच अंतर की संचित राशि और उस पर उसी अवधि के लिए निगम द्वारा उस समय प्रचलित निर्धारित दर पर व्याज सहित भुगतान करेगा। तथापि, प्रावधान है कि यदि बीमित व्यक्ति प्रस्तावक इसमें उल्लिखित प्रीमियम की दर से भुगतान करता रहे और उपयुक्त संचित ऋण राशि का भुगतान न करे तो पॉलिसी प्रारंभ होने की तिथि से पॉलिसी के दावा बनने की तिथि तक सही उम्र के प्रीमियम और मूल प्रीमियम के बीच अंतर की संचित राशि और ऐसे अंतर की प्रत्येक किस्त पर दावे के समय प्रचलित दर से व्याज के साथ देय होगी। उसे पॉलिसी पर बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक द्वारा देय ऋण माना जाएगा तथा पॉलिसी के अंतर्गत दावा होने पर पॉलिसी धनराशि से काट लिया जाएगा।

यह भी प्रावधान है कि यदि प्रवेश के समय बीमित व्यक्ति की सही उम्र ऐसी हो तो उक्त तालिका में निर्दिष्ट बीमा वर्ग अथवा शर्तों के अधीन उसे बीमा के लिए अयोग्य बना दे तो उसको बीमा के आरंभ में प्रचलित प्रथा के अनुसार निगम द्वारा प्रदान किए जाने वाले बीमा वर्ग अथवा शर्तों में परिवर्तित कर दिया जाएगा, जो कि पॉलिसीधारक की सहमति के अधीन होगी, अन्यथा पॉलिसी को रद्द कर दिया जाएगा।

Proof of Age: The premiums having been calculated on the age of the Life Assured as declared in the Proposal, in case the age is found higher than such age, without prejudice to the Corporation's other rights and remedies, including those under the Insurance Act, 1938, the premiums shall be payable in such case at the rate calculated on the Basic Sum Assured and Rider(s) Sum Assured, if opted for, for the correct age at entry, and the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums, from the commencement of the Policy upto the date of such payment shall be paid to the Corporation with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to time. However, in case the Life Assured/Proposer continues to pay the premiums at the rates shown herein, and also does not pay the above mentioned accumulated debt, the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums from the commencement of this Policy up to the date on which the Policy becomes a claim, with interest on each instalment of such difference at such rate as may be fixed by the Corporation from time to time, shall accrue and be treated as a debt due by the Life Assured / Proposer against the said Policy and shall be deducted from the Policy moneys payable on the Policy becoming a claim.

Provided further that if the Life Assured's correct age at entry is such as would have made him/her uninsurable under the class or terms of assurance specified in the said Schedule hereto, the class or terms shall stand altered to such Plan of Assurance as are granted by the Corporation according to the practice in force at the commencement of this policy subject to the consent of the Policyholder, otherwise the policy will be cancelled.

2. जन्ती तथा गैर-जन्ती संबंधी कानून :

जन्ती संबंधी कानून :

- i) अगर 3 वर्षों से कम प्रीमियम अदा किये गये हों और उस के बाद के प्रीमियमों का भुगतान न किया गया हो तो पहले अदा प्रीमियम की तिथि से रियायती अवधि की समाप्ति के बाद इस पॉलिसी के अंतर्गत सभी लाभ समाप्त हो जाएंगे और कुछ भी देय नहीं होगा और अदा किए गए प्रीमियम भी नहीं लौटाए जाएंगे।
- ii) कुछ अन्य घटनाओं में जन्ती : यहां निहित या पृष्ठांकित किसी परिस्थिति के उल्लंघित होने की स्थिति में या इस प्रस्ताव में, किसी निजी कथन, घोषणा तथा संबंधित कागजातों में कोई असत्य या गलत कथन पाये जाने पर या किसी महत्वपूर्ण जानकारी के नहीं बताये जाने की स्थिति में एवं प्रत्येक ऐसी स्थिति में पॉलिसी अमान्य हो जाएगी एवं ऐसी पॉलिसी के फलस्वरूप किसी भी हितलाभ के सभी दावे समय-समय पर संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के प्रावधानों के अधीन होंगे।

गैर जन्ती संबंधी कानून :

लेकिन अगर, कम से कम पूरे तीन सालों के प्रीमियमों का भुगतान करने के बाद, अगले प्रीमियमों का भुगतान नहीं किया जाता है, तो यह पूरी तरह से अमान्य नहीं होगी, बल्कि चुकता पॉलिसी का रूप ले लेगी।

चुकता पॉलिसी के अंतर्गत "मृत्यु पर बीमा राशि" को एक ऐसी राशि के रूप में घटा दिया जाएगा, जिसे "मृत्यु पर चुकता बीमा राशि" कहा जाएगा तथा यह [(अदा किए गए कुल प्रीमियम/प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान देय प्रीमियमों की कुल संख्या) x मृत्यु पर बीमा राशि] के समान होगी।

चुकता पॉलिसी के अंतर्गत परिपक्वता पर बीमा राशि घट जाएगी तथा इस राशि को "परिपक्वता पर चुकता बीमा राशि" कहा जाएगा और यह [(अदा किए गए कुल प्रीमियम/प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान देय प्रीमियमों की कुल संख्या) x परिपक्वता पर बीमा राशि] के समान होगी।

अगर पॉलिसी चुकता पॉलिसी के रूप में जारी रहती है तो भविष्य के लाभों में भागीदारी की पात्र नहीं होगी। हालांकि अगर कोई निहित सरल प्रत्याहवर्ती बोनस हो, तो वे घटी हुई चुकता पॉलिसी से जुड़े रहेंगे।

उपरोक्त उल्लेख किए गए के बावजूद, अगर इस पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम पूरे 3 वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो, और उसके बाद के प्रीमियम का भुगतान न किया गया हो, तो पहले भुगतान न किए गए प्रीमियम की देय तिथि से छः महीने के अंदर बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर "मृत्यु पर देय बीमा राशि" का भुगतान, निहित सरल प्रत्याहवर्ती बोनसों तथा अंतिम अतिरिक्त बोनसों अगर कोई हो, के साथ (अ) मूल पॉलिसी हेतु मृत्यु की तिथि तक अदा न किए गए प्रीमियमों और उन पर लगने वाला व्याज, उन्हीं शर्तों पर जो कि इसी अवधि के लिए पॉलिसी के पुनर्चलन पर हो तथा (ब) अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले देय होने वाला मूल पॉलिसी के लिए अदा न किए गए प्रीमियम को घटाकर दिया जाएगा।

उपरोक्त उल्लेख किए गए के बावजूद, अगर इस पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम पूरे 5 वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो, और उसके बाद के प्रीमियम का भुगतान न किया गया हो, तो पहले भुगतान न किए गए प्रीमियम की देय तिथि से 12 महीने के अंदर बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर "मृत्यु पर देय बीमा राशि" का भुगतान, निहित सरल प्रत्याहवर्ती बोनसों, तथा अंतिम अतिरिक्त बोनसों अगर कोई हो, के साथ (अ) मूल पॉलिसी हेतु मृत्यु की तिथि तक अदा न किए गए प्रीमियमों और उन पर लगने वाला व्याज, उन्हीं शर्तों पर जो कि इसी अवधि के लिए पॉलिसी के पुनर्चलन पर हो तथा (ब) अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले देय होने वाला मूल पॉलिसी के लिए अदा न किए गए प्रीमियम को घटाकर दिया जाएगा।

ये प्रावधान वैकल्पिक क राइडर पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि कि वे कोई चुकता मूल्य प्राप्त नहीं करते हैं और पॉलिसी के कालातीत अवस्था में होने पर राइडर हितलाभ समाप्त हो जाते हैं।

Forfeiture and Non-forfeiture Regulations:

Forfeiture Regulations:

- i.b.i. If less than three years' premiums have been paid and any subsequent premium be not duly paid, all the benefits shall cease after the expiry of grace period from the date of first unpaid premium and nothing shall be payable, and the Premiums paid hitherto are also not refundable.
- i.b.ii. Forfeiture in Certain Other Events: In case any condition herein contained or endorsed hereon be contravened or in case it is found that any untrue or incorrect statement is contained in the proposal, personal statement, declaration and connected documents or any material information is withheld, then and in every such case this policy shall be void and all claims to any benefit in

Non-forfeiture Regulations:

If after atleast three full years' premiums have been paid and any subsequent premiums be not duly paid, this policy shall not be wholly void, but shall subsist as a paid-up policy.

The Sum Assured on Death under a paid-up policy shall be reduced to such a sum, called 'Death Paid-up Sum Assured' and shall be equal to [Sum Assured on Death * (Number of premiums paid / Total Number of premiums payable during the Premium Paying Term)].

The Sum Assured on Maturity under a paid-up policy shall be reduced to such a sum called 'Maturity Paid-up Sum Assured' and shall be equal to [Sum Assured on Maturity * (Number of premiums paid / Total Number of premiums payable during the Premium Paying Term)].

If a policy continues as a paid up policy the same shall not be entitled to participate in future profits. However, the vested simple reversionary bonuses, if any, shall remain attached to the reduced paid up policy.

Notwithstanding what is stated above, if atleast 3 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of the death of the Life Assured within six months from the due date of first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested simple reversionary bonuses, and Final Additional Bonuses, if any, will be paid after deduction of (a) the premium(s) for the base policy unpaid with interest thereon upto the date of death, on the same terms as for revival of the Policy during such period and (b) the balance premium(s) for the base policy falling due from the date of death and before the next policy anniversary.

Notwithstanding what is stated above, if at least 5 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of death of the Life Assured within 12 months from the first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, will be paid after deduction of (a) the premium(s) for the base policy unpaid with interest thereon upto the date of death, on the same terms as for revival of the Policy during such period and (b) the balance premium(s) for the base policy falling due from the date of death and before the next policy anniversary.

These provisions do not apply to optional Rider(s) as they do not acquire any paid up value and the rider benefit ceases to apply, if policy is in lapsed condition.

3. कालातीत पॉलिसियों का पुर्नचालन : अगर रियायती दिनों के अंदर प्रीमियम का भुगतान न करने के कारण पॉलिसी कालातीत हो गयी हो, तो इसे अदा न किए गए पहले प्रीमियम की तिथि से लगातार 2 वर्षों की अवधि के अंदर, मगर बीमित व्यक्ति के जीवनकाल के दौरान फिर से बहाल किया जा सकता है। जो कि निगम को बीमित व्यक्ति और/या प्रस्तावक (अगर प्रीमियम माफी हितलाभ राइडर चुना हो) संतोषप्रद, निरन्तर बीमा योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करने तथा समय-समय पर निगम द्वारा निर्धारित दर पर व्याज के साथ (छमाही चक्रवृद्धि दर से) प्रीमियम की सभी बकाया राशियों का भुगतान करने पर बहाल होगी। लेकिन निगम के पास स्थगित पॉलिसी को फिर से बहाल करने को मूल शर्तों पर स्वीकार करने, संशोधित शर्तों के साथ स्वीकार करने या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। स्थगित पॉलिसी की बहाली तभी प्रभावी होगी जब निगम द्वारा उसे अनुमोदित किया जाएगा तथा/बीमित व्यक्ति को विशिष्ट रूप से सूचित कर दिया जाएगा।

राइडर को पुनः प्रचालित करने, अगर चुना गया हो, पर तभी विचार किया जाएगा अगर मूल पॉलिसी को भी पुनः प्रचालित किया जाता है, सिर्फ उसे नहीं।

Revival of lapsed Policies : If the Policy has lapsed due to non payment of due premium within the days of grace, it may be revived during the life time of the Life Assured, but within a period of 2 consecutive years from the date of the first unpaid premium, on submission of proof of continued insurability to the satisfaction of the Corporation and the payment of all the arrears of premium together with interest (compounding half-yearly) at such rate as fixed by the Corporation from time to time. The Corporation however, reserves the right to accept at original terms, accept with modified terms or decline the revival of a discontinued policy. The revival of the discontinued policy shall take effect only after the same is approved by the Corporation and is specifically communicated to the Life Assured.

Revival of Rider(s), if opted for, will only be considered along with the revival of the base policy and not in isolation.

4. अभ्यर्पण : पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम लगातार तीन वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान करने के बाद उसे पॉलिसी की अवधि के दौरान किसी भी समय सरेन्डर किया जा सकता है। गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य कुल अदा किए गए प्रीमियमों में से बीमालेखन निर्णयों के कारण घटाई गई किसी अतिरिक्त राशि तथा राइडर (राइडर्स) के लिए प्रीमियम, अगर चुना गया हो, के साथ कुल अदा किए गए प्रीमियम पर लागू गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य घटक के गुणनफल के समान होगा। प्रतिशत के रूप में व्यक्त किए गए ये गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य घटक पॉलिसी अवधि तथा पॉलिसी वर्ष पर निर्भर करेंगे; जब पॉलिसी को अभ्यर्पण किया गया था तथा ये इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट-4 में मौजूद है। इसके अलावा, निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों, अगर कोई हो के सरेन्डर मूल्य का भी भुगतान किया जाएगा, जो कि निहित बोनस और निहित बोनसों पर लागू अभ्यर्पण मूल्य घटक के गुणनफल के समान होगा। यह प्रतिशतता अभ्यर्पण मूल्य घटक, पॉलिसी अवधि तथा उस पॉलिसी वर्ष पर निर्भर करेगी, जब पॉलिसी को अभ्यर्पण किया गया तथा यह इस कागजात के परिशिष्ट-5 के रूप में संलग्न है। तथापि, इस पॉलिसी के अंतर्गत विशेष सरेन्डर मूल्य का भुगतान किया जाएगा, अगर वह पॉलिसीधारक के लिए अधिक अनुकूल है। स्पेशल अभ्यर्पण मूल्य, परिपक्वता चुकता बीमा राशि (भाग द की शर्तें 2 में परिभाषित अनुसार) तथा निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों के योगफल का स्पेशल अभ्यर्पण मूल्य घटक से गुणनफल मूल्य होगा। इस पॉलिसी पर लागू ये स्पेशल अभ्यर्पण मूल्य घटक आईआरडीएआई की पूर्व मंजूरी से समय-समय पर बदल सकते हैं। राइडर पर कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा।

Surrender: The policy can be surrendered at any time during the policy term provided premiums have been paid for atleast three consecutive years. .

The Guaranteed Surrender Value shall be equal to the total premiums paid excluding any extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and premiums for rider(s), if opted for, multiplied by the Guaranteed Surrender Value factor applicable to total premiums paid. These Guaranteed Surrender Value factors expressed as percentages will depend on the policy term and policy year in which the policy is surrendered and are contained in **Annexure - IV** of this Policy Document.

In addition, the surrender value of vested simple reversionary bonuses, if any, shall also be payable, which is equal to vested bonuses multiplied by the Surrender Value factor applicable to vested bonuses. These surrender value factors will depend on the policy term and the policy year in which policy is surrendered and are contained in **Annexure - V** of this Policy Document.

However, under this policy, Special Surrender Value will be payable, if it is more favorable to the Policyholder. The Special Surrender Value will be the Special Surrender Value factor multiplied by the sum of Maturity Paid-up Sum Assured (as defined in Condition 2 of Part D) and vested Simple Reversionary Bonuses. The Special Surrender Value factors applicable to this policy may change from time to time with prior approval of IRDAI.

No surrender value will be available on Rider(s), if any.

5. पॉलिसी ऋण : अगर कम से कम पूरे तीन वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो तो इस पॉलिसी की निम्नलिखित शर्तों तथा पॉलिसी के अभ्यर्पण मूल्य के अंतर्गत की राशि के लिए तथा निगम द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई अन्य नियमों तथा शर्तों के अंतर्गत लोन प्राप्त किया जा सकता है :
1. पॉलिसी पूर्णतः अभ्यर्पित होगी तथा ऋण और उस पर व्याज की अदायगी के लिए उसे जमानत के रूप में निगम के द्वारा धारित रखा जाएगा।
 2. निगम को व्याज का भुगतान, इस पॉलिसी के अंतर्गत ऋण लेते समय निगम द्वारा विनिर्धारित दर से छमाही चक्रवृद्धि दर से किया जाएगा। व्याज की पहली किस्त का भुगतान अगली पॉलिसी वर्षगांठ पर या अगली पॉलिसी वर्षगांठ से छः महीने पहले की तिथि पर, जो भी उसके तुरंत बाद हो, जब ऋण स्वीकृत किया गया था, किया जाएगा और उसके बाद हर छः महीने पर किया जाएगा। व्याज कम से कम छः महीनों के लिए लिया जाएगा।
 3. ऐसी पॉलिसियों के मामले में जो कि प्रभावी न हों जैसे कि चुकता पॉलिसियां, ऊपर उल्लेख किए गए अनुसार देय तिथि को ऋण पर व्याज के भुगतान में चूक के कारण, निगम 30 दिनों की नोटिस अवधि की समाप्ति के बाद किसी भी समय, ऐसी चूक करने वाली पॉलिसियों को समय पूर्व समाप्त करने के लिए अधिकृत है। ऐसी पॉलिसियों को समय पूर्व समाप्त किए जाने पर पूर्व-समाप्ति की तिथि पर वे अभ्यर्पण मूल्य के भुगतान की पात्र होंगी, जिसे बकाया ऋण तथा उस पर जमा व्याज को काटकर अदा कर दिया जाएगा। हालांकि, प्रभावी पॉलिसियों के मामले में (जहां सभी प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो), पूर्व समाप्ति की क्रिया लागू नहीं होगी।
 4. अगर पॉलिसी परिपक्व होती है या पॉलिसी को अभ्यर्पण किया जाता है या मृत्यु के कारण दावा किया जाता है तो निगम द्वारा पॉलिसी की धनराशि से बकाया ऋण या उसके किसी अंश को सभी देय व्याजों के साथ काट लिया जाएगा।

Policy Loan: Loan can be availed under this policy provided atleast three full years' premiums have been paid, subject to the following terms and conditions, within the surrender value of the policy for such amounts and on such further terms and conditions as the Corporation may fix from time to time:

1. The Policy shall be assigned absolutely to and held by the Corporation as security for the repayment of Loan and of the interest thereon;
2. Interest on Loan shall be paid on compounding half-yearly basis to the Corporation at the rate to be specified by the Corporation at the time of taking loan under this policy. The first payment of interest is to be made on the next Policy anniversary or on the date six months before the next Policy anniversary whichever immediately follows the date on which the Loan is sanctioned and every half year thereafter. Interest is charged for a minimum period of six months;
3. In case of policies which are not inforce i.e. Paid-up policies, in the event of default in payment of loan interest on the due date as herein mentioned above, the Corporation would be entitled to foreclose such policies which continue to be in default, anytime after expiry of notice period of 30 days. Such policies when being foreclosed shall be entitled to payment of surrender value as on date of foreclosure, if any, after deduction of outstanding loan and accrued interest. However, in case of inforce policies (where all the due premiums stand paid) and fully paid-up policies (where all premiums payable during the term of the policy stand paid), foreclosure action shall not be applicable;
4. In case the policy shall mature or is surrendered or become a claim by death, the Corporation shall become entitled to deduct the amount of the Loan or any portion thereof which is outstanding, together with all interest from the policy moneys.

भाग - र: अन्य नियम व शर्तें
PART - F: OTHER TERMS AND CONDITIONS

1. फ्री लुक पीरियड : फ्री लुक पीरियड के दौरान, अगर पॉलिसीधारक पॉलिसी के नियम तथा शर्तों से संतुष्ट नहीं है तो वह अपनी आपत्तियों के कारण का उल्लेख करते हुए पॉलिसी को लौटा सकता है। इसके प्राप्त होने पर निगम पॉलिसी को रद्द कर देगा तथा संरक्षित जोखिम अवधि के लिए आनुपातिक जोखिम प्रीमियम (मूल पॉलिसी और राइडर, अगर चुना गया हो, के लिए) स्वास्थ्य जांच शुल्क व स्टैम्प ड्यूटी हेतु शुल्क को काटकर, जमा किए गए प्रीमियम को लौटा देगा।

Free look period: During the Free Look period, if the Policyholder is not satisfied with the Terms or Conditions of the policy, he/she may return the policy to the Corporation stating the reason of objections. On receipt of the same the Corporation shall cancel the policy and return the amount of premium deposited after deducting the proportionate risk premium (for Base Policy and riders, if opted for) for the period on cover and charges for medical examination, special reports, if any and stamp duty.

2. अ) समानुद्देशन : इस पॉलिसी के अंतर्गत समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के तहत समानुद्देशन की अनुमति है। धारा 38 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट-1 में दिए गए हैं। समानुद्देशन का नोटिस निगम के इस कार्यालय में पंजीकरण के लिए दिया जाना चाहिए, जहां पॉलिसी को सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

ब) नामांकन : समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा के अंतर्गत जीवन बीमा की पॉलिसी के धारक द्वारा नामांकन अपेक्षित है। धारा 39 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट -2 में दिए गए हैं। नामांकन या नामांकन बदलने की सूचना को सेवाएं प्रदान की जाती हैं। नामांकन के पंजीकरण में निगम उसकी वैधता या कानूनी प्रभाव के बारे में कोई जिम्मेदारी नहीं स्वीकार करता है या कोई राय नहीं व्यक्त करता है।

a) Assignments: Assignment is allowed under this plan as per Section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 38 are contained in **Annexure-I** of this Policy Document. The notice of assignment should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced.

b) Nominations: Nomination by the holder of a policy of life assurance is required as per Section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 39 are contained in **Annexure-II** of this Policy Document. The notice of nomination or change of nomination should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced. In registering nomination the Corporation does not accept any responsibility or express any opinion as to its validity or legal effect.

3. आत्महत्या : यह पॉलिसी अवैध मानी जाएगी।

i अगर बीमित व्यक्ति (चाहे वह मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ), जोखिम के आरंभ होने की तिथि से 12 महीनों के अंदर आत्महत्या करता है तो निगम द्वारा इस पॉलिसी के अंतर्गत किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल अदा किए गए प्रीमियम के 80% को, किन्हीं अतिरिक्त राशियों, जिन्हें बीमालेखन निर्णयों के कारण पॉलिसी के अंतर्गत लिया गया हो, तथा टर्म एश्योरेन्स राइडर से भिन्न किसी राइडर के प्रीमियम को छोड़कर, अगर कोई हो, का भुगतान किया जाएगा। बशर्तें पॉलिसी चालू अवस्था में हो।

ii अगर बीमित व्यक्ति (चाहे वह मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ), पुनर्चलन की तिथि से 12 महीनों के अंदर आत्महत्या करता है तो मृत्यु की तिथि तक अदा किए गए प्रीमियम के 80% को किसी अतिरिक्त राशियों, जिसे बीमालेखन निर्णयों के कारण पॉलिसी के अंतर्गत लिया गया हो तथा टर्म एश्योरेन्स राइडर से भिन्न राइडर प्रीमियम, का भुगतान किया जाएगा। निगम द्वारा इस पॉलिसी के अंतर्गत किसी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। यह धारा लागू नहीं होगी अगर पॉलिसी चुकता मूल्य प्राप्त किए बिना कालातीत हो गयी हो तो ऐसी पॉलिसियों के अंतर्गत कुछ भी देय नहीं होगा।

Suicide: This policy shall be void

i. If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide at any time within 12 months from the date of commencement of risk, the Corporation will not entertain any claim under this policy except for 80% of the premiums paid excluding any extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and rider premiums other than term assurance rider, if any, provided the policy is inforce.

ii. If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide within 12 months from date of revival, an amount which is higher of 80% of the premiums paid till the date of death excluding extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and rider premiums other than term assurance rider, if any, or the surrender value, shall be payable. The Corporation will not entertain any other claim under this policy. This clause shall not be applicable for a policy lapsed without acquiring paid up value and hence nothing shall be payable under such policies.

4. कर : ऐसी इश्योरेन्स प्लान्स पर यदि कोई वैधानिक कर भारत सरकार या किसी अन्य भारत की संवैधानिक संस्था द्वारा कर लगाया जाता है तो वह समय-समय पर लागू कर संबंधी कानूनों और कर की दर के अनुसार होगा।

पॉलिसीधारक को प्रीमियमों (मूल पॉलिसी तथा राइडर्स के लिए, अगर कोई हो), जिसमें बीमालेखन संबंधी निर्णयों के कारण अगर पॉलिसी के अंतर्गत कोई अतिरिक्त राशि ली गई हो तो वह भी शामिल है, पर देय सेवाकर मौजूदा दरों से लिया जाएगा, जो कि पॉलिसीधारक द्वारा देय प्रीमियमों के ऊपर व अतिरिक्त होगा। अदा किए गए कर की राशि को प्लान के अंतर्गत देय हितलाभों की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा।

Tax: Statutory Taxes, if any, imposed on such insurance plans by the Government of India or any other constitutional tax Authority of India shall be as per the Tax laws and the rate of tax as applicable from time to time.

The amount of Service Tax payable as per the prevailing rates shall be payable by the policyholder on premiums (for base policy & rider(s), if any) including extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions, which shall be collected separately over and above in addition to the premiums payable by the policyholder. The amount of tax paid shall not be considered for the calculation of any benefits payable under the plan.

5. दावे के लिए सामान्य अपेक्षाएं : बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक की मृत्यु होने पर दावेदार द्वारा दावा प्रस्तुत करते समय देय सामान्य दस्तावेजों में निगम द्वारा विनिर्धारित दावा प्रपत्र के साथ मूल पॉलिसी दस्तावेज, दावे की राशि के सीधे बैंक खाते में जमा होने के लिए दावेदार की ओर से एनईएफटी आदेश, स्वाभाविक का प्रमाण, मृत्यु का प्रमाण, मृत्यु से पूर्व चिकित्सा उपचार, स्कूल/कॉलेज/नियोक्ता का प्रमाण पत्र, इन में से जो लागू हो, निगम को संपोषप्रद रूप में पेश करना होगा। अगर पॉलिसी के अंतर्गत उम्मीद नहीं की है, तो बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक की उम्र का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

पॉलिसी के परिपक्वता दावे में परिणित होने या विद्यमानता हितलाभ दावे की स्थिति प्राप्त करने या पॉलिसी के सरेन्डर किए जाने की स्थिति में, बीमित जीवन को डिस्चार्ज फॉर्म के साथ मूल पॉलिसी दस्तावेज, दावे की राशि के सीधे बैंक खाते में जमा होने के लिए दावेदार की ओर से एनईएफटी आदेश, उम्र का प्रमाण, अगर उम्र को पहले स्वीकृत नहीं किया गया हो, प्रस्तुत करना होगा।

पॉलिसी के अंतर्गत दुर्घटनात्मक अशक्तता/मृत्यु का दावा उत्पन्न होने पर निम्न लिखित सूची में से लागू विवरणियां मंगवायी जा सकती हैं, ताकि सुनिश्चित हो सके कि मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई :

- 1) प्राथमिक (एफआईआर) की प्रमाणित प्रतिलिपि
- 2) पुलिस छानबीन (जांच) रिपोर्ट की प्रमाणित प्रतिलिपि
- 3) पंचनामा की प्रतिलिपि
- 4) मृत्यु के संभावित कारण की जानकारी के लिए पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट, अगर पोस्टमॉर्टम में बिसरा को सुरक्षित किया गया है तो उसकी सामग्रियों की जानकारी के लिए केमिकल एनालाइजर रिपोर्ट अर्थात् क्या बीमित व्यक्ति ने शराब, ड्रग्स, मानक द्रव्यों या जहर का सेवन किया था।
- 5) अखबार की कटिंग, जिसमें दुर्घटना का उल्लेख किया गया हो।
- 6) अगर मृत्यु का कारण वाहन दुर्घटना हो तो ड्राइविंग लाइसेंस की प्रतिलिपि, अगर बीमित व्यक्ति वाहन चला रहा हो।
- 7) मृत्यु के बारे में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट का अंतिम निर्णय-इसे मृत्यु के वर्गीकरण - स्वाभाविक/आत्महत्या/दुर्घटनात्मक की जानकारी मिलेगी।
- 8) जहां दुर्घटना की रिपोर्ट पुलिस में नहीं की गई हो, जैसे कि कुत्ते या सांप के काटने से मृत्यु, तो वैकल्पिक प्रमाण दिया जाना चाहिए जैसे कि चरमदौद गवाह का बयान, ग्रामसेवक या सरकारी अधिकारी का हलफनामा, हमारी अपनी पूछताछ रिपोर्ट, इलाज करने वाले डॉक्टर या अस्पताल की रिपोर्ट पर्याप्त हो सकती हैं।
- 9) अस्पताल में इलाज की रिकॉर्डें

Normal requirements for a claim: The normal documents which the claimant shall submit while lodging the claim in case of death of the Life Assured shall be claim forms, as prescribed by the Corporation, accompanied with original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account, proof of title, proof of death, medical treatment prior to the death, school/ college/ employer's certificate, whichever is applicable, to the satisfaction of the Corporation. If the age is not admitted under the policy, the proof of age of the Life assured shall also be submitted.

Where the policy results into a maturity claim or results into a survival benefits claim or in case of surrender of the policy, the Life Assured shall submit the discharge form along with the original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account besides proof of age, if the age is not admitted earlier.

Where policy results into an accidental disability/death claim the applicable statements from the following list may be called to ascertain circumstances under which death / disability took place:-

- 1) A certified copy of first information report (FIR).
- 2) A certified copy of police inquest report.
- 3) Copy of panchanama.
- 4) Post mortem report to know the probable cause of death. If viscera is preserved in post mortem, then chemical analyzer report to know the contents i.e. whether life assured has consumed liquor, drugs, narcotics or poison.
- 5) News paper cuttings where accident is reported.
- 6) If death is due to vehicle accident, then copy of driving licence, if life assured was driving the vehicle.
- 7) Sub-divisional magistrate final verdict about death- this will give classification of death as 'natural/suicide/accidental'
- 8) When accident is not reported to police authorities, like death due to dog or snake bite, then alternate proofs such as statement of eye witness, affidavit of gramsevak or govt. officials, our own enquiry report, attending physician or hospital reports may be sufficient.
- 9) Hospital treatment records, etc.

6. वैधानिक परिवर्तन : इस पॉलिसी के अंतर्गत प्रीमियम व देय हितलाभ तथा नियम तथा शर्तें संबंधित विधानों और विनियमों में परिवर्तन के विषयाधीन होंगे ।
Legislative Changes: The Terms and Conditions including the premiums and benefits payable under this policy are subject to variation in accordance with the relevant Legislation & Regulations.

7. **लाभों का उदाहरण : आपके अनुकूल हितलाभ का उदाहरण इस पॉलिसी दस्तावेज के साथ संलग्न है ।**
Benefit Illustration: Your customized Benefit Illustration is enclosed to this document.

भाग ल - सांविधिक प्रावधान
PART – G: STATUTORY PROVISIONS

बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45 :

समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45 के प्रावधान लागू होंगे। मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के अनुसूची-3 में दिये गये हैं ।

Section 45 of the Insurance Act, 1938:

The provisions of the sections 45 of the Insurance Act, 1938 shall be applicable as amended from time to time. The current provisions are contained in **Annexure-III** of this Policy Document.

शिकायत समाधान प्रणाली:

ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए निगम के शाखा/मंडल/क्षेत्रीय/केन्द्रीय कार्यालय में शिकायत समाधान अधिकारी हैं। ग्राहकों की शिकायत का शीघ्र समाधान करने के लिए निगम ने अपने कस्टमर पोर्टल (वेबसाइट) <http://www.licindia.in> के जरिए ग्राहक शुभचिन्तक एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली प्रस्तुत की है, जिसके जरिए पंजीकृत पॉलिसीधारक अपनी शिकायत को सीधे दर्ज कर सकते हैं तथा उसकी स्थिति पर निगरानी रख सकते हैं। ग्राहक अपनी किसी समस्या के समाधान के लिए ईमेल आईडी co_crmgrv@licindia.com पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

अगर प्राप्त प्रतिसाद से ग्राहक संतुष्ट नहीं हो या उसे 15 दिनों के अंदर हमसे कोई प्रतिसाद न मिले तो ग्राहक निम्नलिखित किसी माध्यम से आईआरडीएआई के शिकायत कक्ष को सम्पर्क कर सकता है।

- टोल फ्री नंबर 155255/18004254732 (अर्थात आईआरडीएआई शिकायत कॉल सेन्टर) पर कॉल करें।
- यहाँ ईमेल भेजे complaints@irda.gov.in
- ऑनलाइन शिकायत <http://www.igms.irda.gov.in> पर दर्ज करें।
- कूरियर/पत्र के जरिए शिकायत यहाँ भेजकर: उपभोक्ता मामले विभाग, भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण, 9 वीं मंजिल, युनायटेड इंडिया टावर्स, बशीरबाग, हैदराबाद- 500 029, आंध्रप्रदेश।
- फैक्स नं. 040-66789768 पर शिकायत भेजे।

जो दावेदार मृत्यु के दावे को अस्वीकृत किए जाने के निर्णय से असंतुष्ट हों तो अपने मामले को समीक्षा के लिए क्षेत्रीय कार्यालय दावा विवाद समाधान समिति के पास भेज सकते हैं। प्रत्येक दावा विवाद समाधान समिति में उच्च न्यायालय / जिला न्यायालय के एक सेवानिवृत्त जज सदस्य के रूप में हैं। दावों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए दावेदार भारत सरकार द्वारा नियुक्त बीमालोकपाल से भी सम्पर्क कर सकते हैं जो कि ग्राहकों को कम खर्च के साथ त्वरित गति से मध्यस्थता प्रदान करने के लिए है।

Grievance Redressal Mechanism:

The Corporation has Grievance Redressal Officers at Branch/ Divisional/ Zonal/ Central Office to redress grievances of customers. For ensuring quick redressal of customer grievances the Corporation has introduced Customer friendly Integrated Complaint Management System through our Customer Portal (website) which is <http://www.licindia.in>, where a registered policy holder can directly register complaint/ grievance and track its status. Customers can also contact at e-mail co_crmgrv@licindia.com for redressal of any grievances.

In case the customer is not satisfied with the response or do not receive a response from us within 15 days, then the customer may approach the Grievance Cell of the IRDAI through any of the following modes:

- Calling Toll Free Number 155255 / 18004254732 (i.e. IRDAI Grievance Call Centre)
- Sending an email to complaints@irda.gov.in
- Register the complaint online at <http://www.igms.irda.gov.in>
- Address for sending the complaint through courier / letter:
Consumer Affairs Department, Insurance Regulatory and Development Authority of India, 9th Floor, United India Towers, Basheerbagh, Hyderabad – 500 029, Andhra Pradesh.
- Sending the complaint by Fax to 040-66789768

Claimants not satisfied with the decision of death claim repudiation have the option of referring their cases for review to Zonal Office Claims Dispute Redressal Committee or Central Office Claims Dispute Redressal Committee. A retired High Court/ District Court Judge is member of each of the Claims Dispute Redressal Committees. For redressal of Claims related grievances, claimants can also approach Insurance Ombudsman who provides for low cost and speedy arbitration to customers.

टिप्पणी : यदि आपको कोई शिकायत/परेशानी हो तो आप शिकायत निराकरण अधिकारी/लोकपाल से संपर्क कर सकते हैं जिनका पता नीचे दिया जा रहा है :

NOTE:

In case you have any Complaints/Grievance, you may approach Grievance Redressal Officer/ Ombudsman, whose address is as under:

शिकायत निराकरण अधिकारी का पता
Address of Grievance Redressal officer:

**Manager (CRM),
D.O., MASULIPATNAM
MASULIPATNAM**

लोकपाल का पता
Address of Insurance Ombudsman:

**Office of the Insurance Ombudsman,
6-2-46, 1st Floor, Moin Court,
A.C. Guards, Lakdi-Ka-Pool,,HYDERABAD-500 004.
Tel:040-65504123/23312122,Fax: 040-23376599
bimalokpal.hyderabad@bic.co.in**

शाखा कार्यालय का पता
Address of Branch Office

**LIC OF INDIA,NARASAROAPET BR OFFICE,
P B NO 13,SRINGERI MATH ROAD,
VARAVAKATTA,ARUNDELPET
NARASAROAPET ANDHRA PRADESH- 522601,Email: bo_691@licindia.com**

Call Centre NO. 022-68276827 (24 x7 Service)

टिप्पणी : इन निबंधनों तथा शर्तों और विशेष प्रावधानों/शर्तों की व्याख्या के संबंध में कोई विवाद होने पर अंग्रेजी भाष्य विधिमान्य होगा ।

Note: In case of dispute in respect of interpretation of these terms and conditions and special provisions/conditions the English version shall stand valid.

आपसे अनुरोध है कि इस पॉलिसी की जांच कर लें और यदि कोई गलती दिखाई दे तो सुधारने के लिए इसे तुरंत लौटा दें ।

परिशिष्ट I

समनुदेशन - बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अनुसार

- बीमा पॉलिसी का अंतरण या समनुदेशन, पूर्णतः या अंशतः प्रतिफलसहित या इसके बिना, केवल पॉलिसी पर ही पृष्ठांकन या अलग से इंस्ट्रुमेंट द्वारा किसी भी मामले में अंतरणकर्ता या समनुदेशक या उनके अधिकृत एजेंट द्वारा किया जा सकता है, जिसे कम से कम एक साक्षी द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए, विशेष रूप से अंतरण या अभ्यर्पण के तथ्य और कारण, समनुदेशित के पूर्ववृत्त और समनुदेशन की शर्तों का उल्लेख करते हुए।
- बीमाकर्ता उप-धारा (1) के अंतर्गत किए गए किसी अंतरण या समनुदेशन को स्वीकार कर सकता है या किसी पृष्ठांकन को स्वीकार करने से मना कर सकता है, अगर उसके पास यह मानने का पर्याप्त कारण हो कि यह अंतरण या समनुदेशन वास्तविक नहीं है या पॉलिसीधारक के हित में या जनहित या बीमा पॉलिसी की ट्रेडिंग के प्रयोजन हेतु उपयुक्त नहीं है।
- बीमाकर्ता, पृष्ठांकन पर अमल करने से इनकार करने से पहले अपनी अस्वीकृति के कारण को लिखित में दर्ज करेगा तथा पॉलिसीधारक द्वारा ऐसे अंतरण या समनुदेशन का नोटिस देने की तिथि से 30 दिनों के अंदर ऐसी अस्वीकृति से पॉलिसीधारक को सूचित करेगा।
- बीमाधारक द्वारा ऐसे अंतरण या पृष्ठांकन पर अमल करने से इनकार करने से प्रभावित कोई व्यक्ति बीमाकर्ता से कारण सहित इनकार की सूचना मिलने की तिथि से 30 दिनों के अंदर प्राधिकारी के पास अपना दावा रख सकता है।
- उप-धारा (2) के प्रावधानों के अधीन, अंतरण या समनुदेशन पूर्ण होगा तथा ऐसे पृष्ठांकन या विधिवत सत्यापित इंस्ट्रुमेंट पर अमल प्रभावी होगा, सिवाय वहां जहां अंतरण या समनुदेशन बीमाकर्ता के पक्ष में है, बीमाकर्ता के विरुद्ध प्रभावी न होगा, तथा जहां अंतरण या समनुदेशित या उनके कानूनी प्रतिनिधि को ऐसी पॉलिसी के अंतर्गत राशि के लिए कानूनी दावा करने या उनके द्वारा धनराशि को सुरक्षित करने का अधिकार नहीं देता है। अंतरण या समनुदेशन का लिखित में नोटिस या उक्त पृष्ठांकन या इंस्ट्रुमेंट की प्रति, जिसे जब तक कि अंतरणकर्ता तथा अंतरिती दोनों या उनके विधिवत अधिकृत एजेंट द्वारा सत्य होने के लिए सत्यापित किया गया हो, बीमाकर्ता को सौंपा नहीं जाता है। बशर्तें जहां बीमाकर्ता के भारत में एक या अधिक कारोबार के स्थान हो, वहां नोटिस को केवल वहीं पर दिया जाना है, जहां से पॉलिसी को सेवा प्रदान की जा रही है।
- जिस तिथि को उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस बीमाकर्ता को सुपुर्द किया जाता है, उससे वह पॉलिसी में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों के बीच अंतरण या समनुदेशन के अंतर्गत सभी दावों के लिए प्राथमिकता को विनियमित करेगी, तथा जहां अंतरण या समनुदेशन के एक से अधिक इंस्ट्रुमेंट हो वहां ऐसे इंस्ट्रुमेंट के अंतर्गत दावों की प्राथमिकता उस क्रम द्वारा शासित होगी, जिसमें उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस सुपुर्द किए गए हैं। समनुदेशितों के बीच भुगतान की प्राथमिकता के बारे में कोई विवाद उत्पन्न होने पर उसे प्राधिकारी को संदर्भित किया जाएगा।
- उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस के प्राप्त होने पर, ऐसे अंतरण या समनुदेशन के तथ्य को उसकी तिथि तथा अंतरिती या समनुदेशित के नाम के साथ दर्ज करेगा तथा नोटिस देने वाले व्यक्ति द्वारा अनुरोध किए जाने पर, या अगर अंतरिती या समनुदेशित, विनियमों द्वारा निर्धारित की गई फीस के भुगतान पर, ऐसे नोटिस के प्राप्त होने की लिखित पावती देता है; और ऐसी किसी पावती को बीमाकर्ता के विरुद्ध इस बात का निष्कर्षी साक्ष्य माना जाएगा कि उसे पावती से संबंधित नोटिस विधिवत प्राप्त हुआ है।
- अंतरण या समनुदेशन के नियमों तथा शर्तों के अधीन, बीमाकर्ता द्वारा उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस की प्राप्ति की तिथि से, पॉलिसी के अंतर्गत लाभ के पात्र अंतरिती या समनुदेशित की पहचान करेगा या ऐसा व्यक्ति उन सभी दायित्वाओं तथा इक्विटियों के अधीन होगा, जिसका कि अंतरण या समनुदेशन की तिथि को अंतरणकर्ता या समनुदेशक पात्र था तो वह पॉलिसी के संबंध में कोई कार्रवाई कर सकता है, वह पॉलिसी के अंतर्गत ऋण प्राप्त कर सकता है या अंतरणकर्ता या समनुदेशक की सहमति प्राप्त किए बिना पॉलिसी को अभ्यर्पण कर सकता है या उसे ऐसी कार्रवाई की एक पार्टी बना सकता है।
- स्पष्टीकरण - सिवाय इसके कि जहां उप-धारा (1) में संदर्भित पृष्ठांकन स्पष्ट रूप से उल्लेख करता हो कि समनुदेशन या अंतरण, यहां दी गई उप-धारा (10) के अंतर्गत सशर्त है, प्रत्येक समनुदेशन या अंतरण को पूर्ण समनुदेशन या अंतरण माना जाएगा तथा समनुदेशित या अंतरिती को, जैसी भी स्थिति हो, क्रमशः पूर्ण समनुदेशित या अंतरिती माना जाएगा।
- बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 2015 के आरंभ होने से पहले किए गए किसी समनुदेशन या अंतरण से जीवन बीमा की पॉलिसी के किसी समनुदेशित या अंतरिती के अधिकार व उपचार इस धारा के प्रावधानों द्वारा प्रभावित नहीं होंगे।
- किसी कानून के होने के बावजूद या ग्राहक की कानून के प्रतिकूल बाध्यता होने पर, व्यक्ति के पक्ष में समनुदेशन इस दशा में किया जा सकता है कि
- अ. पॉलिसी के अंतर्गत धनराशि पॉलिसीधारक या नामित व्यक्ति या नामित व्यक्तियों को उस दशा में देय हो सकती है अगर समनुदेशित या अंतरिती की मृत्यु बीमाधारक से पहले हो जाती है; या
- ब. बीमाधारक पॉलिसी की अवधि तक जीवित रहता है, मान्य होगा तथापि सशर्त समनुदेशित पॉलिसी को अभ्यर्पण करने या पॉलिसी पर ऋण लेने का पात्र नहीं होगा।
- उप-धारा (1) के अंतर्गत बीमा पॉलिसी के आंशिक समनुदेशन या अंतरण की दशा में, बीमाकर्ता की दायित्वा आंशिक समनुदेशन या अंतरण द्वारा सुरक्षित की गई राशि तक सीमित होगी तथा ऐसा पॉलिसीधारक उसी पॉलिसी के अंतर्गत देय शेष राशि के लिए पुनः समनुदेशन या अंतरण करने का पात्र नहीं होगा।

Annexure-I

Assignment – As per section 38 of the Insurance Act, 1938, as amended by Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

1. A transfer or assignment of a policy of insurance, wholly or in part, whether with or without consideration, may be made only by an endorsement upon the policy itself or by a separate instrument, signed in either case by the transferor or by the assignor or his duly authorised agent and attested by at least one witness, specifically setting forth the fact of transfer or assignment and the reasons thereof, the antecedents of the assignee and the terms on which the assignment is made.

2. An insurer may, accept the transfer or assignment, or decline to act upon any endorsement made under sub-section(1), where it has sufficient reason to believe that such transfer or assignment is not bonafide or is not in the interest of the policy-holder or in public interest or is for the purpose of trading of insurance policy.

3. The insurer shall, before refusing to act upon the endorsement, record in writing the reasons for such refusal and communicate the same to the policyholder not later than thirty days from the date of the policyholder giving notice of such transfer or assignment.

4. Any person aggrieved by the decision of an insurer to decline to act upon such transfer or assignment may within a period of thirty days from the date of receipt of the communication from the insurer containing reasons for such refusal, prefer a claim to the Authority.

5. Subject to the provisions in sub-section (2), the transfer or assignment shall be complete and effectual upon the execution of such endorsement or instrument duly attested but except, where the transfer or assignment is in favour of the insurer, shall not be operative as against an insurer, and shall not confer upon the transferee or assignee, or his legal representative, any right to sue for the amount of such policy or the moneys secured thereby until a notice in writing of the transfer or assignment and either the said endorsement or instrument itself or a copy thereof certified to be correct by both transferor and transferee or their duly authorised agents have been delivered to the insurer:

Provided that where the insurer maintains one or more places of business in India, such notice shall be delivered only at the place where the policy is being serviced.

6. The date on which the notice referred to in sub-section (5) is delivered to the insurer shall regulate the priority of all claims under a transfer or assignment as between persons interested in the policy; and where there is more than one instrument of transfer or assignment the priority of the claims under such instruments shall be governed by the order in which the notices referred to in sub-section (5) are delivered:

Provided that if any dispute as to priority of payment arises as between assignees, the dispute shall be referred to the Authority.

7. Upon the receipt of the notice referred to in sub-section (5), the insurer shall record the fact of such transfer or assignment together with the date thereof and the name of the transferee or the assignee and shall, on the request of the person by whom the notice was given or of the transferee or assignee, on payment of such fee as may be specified by the regulations, grant a written acknowledgement of the receipt of such notice; and any such acknowledgement shall be conclusive evidence against the insurer that he has duly received the notice to which such acknowledgment relates.

8. Subject to the terms and conditions of the transfer or assignment, the insurer shall, from the date of the receipt of the notice referred to in sub-section (5), recognize the transferee or assignee named in the notice as the absolute transferee or assignee or entitled to benefit under the policy, and such person shall be subject to all liabilities and equities to which the transferor or assignor was subject at the date of the transfer or assignment and may institute any proceedings in relation to the policy, obtain a loan under the policy or surrender the policy without obtaining the consent of the transferor or assignor or making him a party to such proceedings.

Explanation – Except where the endorsement referred to in sub-section (1) expressly indicates that the assignment or transfer is conditional in terms of subsection (10) hereunder, every assignment or transfer shall be deemed to be an absolute assignment or transfer and the assignee or transferee, as the case may be, shall be deemed to be the absolute assignee or transferee respectively.

9. Any rights and remedies of an assignee or transferee of a policy of life insurance under an assignment or transfer effected prior to the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015 shall not be affected by the provisions of this section.

10. Notwithstanding any law or custom having the force of law to the contrary, an assignment in favour of a person made upon the condition that -

- The proceeds under the policy shall become payable to the policyholder or the nominee or nominees in the event of either the assignee or transferee predeceasing the insured; or
- The insured surviving the term of the policy, shall be valid:

11. In the case of the partial assignment or transfer of a policy of insurance under sub-section (1), the liability of the insurers shall be limited to the amount secured by partial assignment or transfer and such policyholder shall not be entitled to further assign or transfer the residual amount payable under the same policy.

परिशिष्ट II

नामांकन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अनुसार

- जीवन बीमा की पॉलिसी का धारक अपने जीवन पर, पॉलिसी लेते समय या भुगतान हेतु पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय, किसी व्यक्ति या व्यक्ति को नामित कर सकता है, जिसे/जिन्हें उसकी मृत्यु की स्थिति में पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि का भुगतान किया जाएगा। शर्त यह है कि अगर नामित व्यक्ति नाबालिग हो, तो पॉलिसीधारक के लिए यह कानूनन उचित होगा कि बीमाकर्ता द्वारा निर्धारित तरीके से किसी व्यक्ति को नियुक्त करे जो कि नामित व्यक्ति के नाबालिग रहने के दौरान पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि को प्राप्त कर सके।
- ऐसे किसी नामांकन को प्रभावी होने के लिए, अगर वह पॉलिसी की शब्द योजना में निगमित नहीं है, तो उसे बीमित करने के लिए सूचित पॉलिसी पर पृष्ठांकन तथा पॉलिसी से संबंधित रिकॉर्ड्स में उसके द्वारा पंजीकरण के जरिए निगमित किया जाएगा, तथा ऐसे कोई नामांकन पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय भुगतान से पूर्व किसी पृष्ठांकन या वसीयत, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा रद्द किए जा सकते हैं, लेकिन अगर इस प्रकार निरस्तीकरण या परिवर्तन के लिए बीमाकर्ता को लिखित में सूचना न दी गई हो तो बीमाकर्ता पॉलिसी के अंतर्गत उसके द्वारा वास्तविक बनाए गए पॉलिसी की शब्द योजना में उल्लिखित या बीमाकर्ता के रिकॉर्ड्स में पंजीकृत नामांकित को किसी भुगतान के लिए दायी नहीं होगा।
- बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसीधारक को नामांकन के पंजीकृत कराए जाने या उसके निरस्तीकरण या बदले जाने के बारे में लिखित पावती देगा तथा विनियमों द्वारा विनिर्धारित ऐसे निरस्तीकरण या परिवर्तन को पंजीकृत करने के लिए शुल्क भी ले सकता है।
- धारा 38 के अनुक्रम में पॉलिसी में किसी अंतरण या समनुदेशन से नामांकन स्वतः रद्द हो जाएगा :
शर्त यह है कि बीमाकर्ता को पॉलिसी का समनुदेशन, जो कि समनुदेशन के समय पॉलिसी पर जोखिम का वहन करता हो, उस बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसी की जमानत पर, उसके अभ्योर्पणमूल्य या पुनः समनुदेशन के अंतर्गत हो, ऋण स्वरूप की भरपाई करने पर नामांकन रद्द नहीं होगा, लेकिन नामित के अधिकार केवल उस हद तक प्रभावित होंगे, जितना कि पॉलिसी में बीमाकर्ता का हित हो:
आगे शर्त यह है कि पॉलिसीधारक को अंतरण या समनुदेशन द्वारा अग्रिम रूप से दिए गए ऋण के प्रतिफल स्वरूप पॉलिसी का अंतरण या समनुदेशन, चाहे यह पूर्णतः हो या अंशतः, नामांकन रद्द नहीं होगा, लेकिन नामांकित व्यक्ति के अधिकारों को उसी हद तक प्रभावित करेगा, जो कि पॉलिसी में अंतरण या समनुदेशन का हित होगा:
शर्त यह भी है कि नामांकन जो कि अंतरण या समनुदेशन पर उसके परिणामस्वरूप अपने आप रद्द हुआ हो, वह नामांकन समनुदेशन द्वारा पुनः समनुदेशन या अंतरण द्वारा ऋण के भुगतान पर सिवाय बीमाकर्ता को पॉलिसी की जमानत पर, पुनः अंतरण से स्वतः पुनः प्रचालित हो जाएगा।
- जहां पॉलिसी की भुगतान हेतु परिपक्वता उस व्यक्ति के जीवनकाल में होती है जिसके जीवन को बीमित किया गया है या अगर नामित व्यक्ति या एक से अधिक नामितों में से सभी पॉलिसी के भुगतान हेतु परिपक्व होने से पहले मर जाते हैं, वहां पॉलिसी के अंतर्गत सुरक्षित राशि का भुगतान पॉलिसीधारक या उसके उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को, जैसी भी स्थिति हो, किया जाएगा।
- जहां एक या अधिक नामित हों तथा एक या एक से अधिक नामित, उस व्यक्ति के बाद जीवित रहते हैं, जिसके जीवन को बीमित किया गया है, तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित की गई राशि का भुगतान ऐसे उत्तराधिकारियों को किया जाएगा।
- इस धारा के अन्य प्रावधानों के अधीन, जहां बीमा पॉलिसी के धारक ने अपने जीवन पर अपने माता/पिता या अपने जीवनसाथी या अपने बच्चों या अपने जीवन साथी और बच्चों या उनमें से किसी को नामित किया हो, ऐसे नामित उप-धारा (6) के अंतर्गत बीमाकर्ता द्वारा देय राशि के लिए लाभार्थी होंगे, जब तक कि यह साबित नहीं होता कि पॉलिसी का धारक, पॉलिसी में उसके टाइटिल की प्रकृति के अनुसार नामांकित को ऐसा लाभार्थी टाइटिल प्रदान नहीं कर सकता है।
- उपरोक्त कहे गए के अधीन, जहां नामित या अगर एक से अधिक नामित हों, जिन पर उप-धारा (7) लागू होती है, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि के भुगतान से पहले, लेकिन उस व्यक्ति जिसके जीवन को बीमित किया गया है, के बाद मर जाता है तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि या मरनेवाले नामित या नामितों जैसी भी स्थिति हो के हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि का भुगतान नामित या नामितों के उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक, जैसी भी स्थिति हो, को किया जाएगा तथा वे ऐसी राशि को पाने के लिए अधिकृत लाभार्थी होंगे।
- उप-धाराओं (7) और (8) में कुछ भी जीवन बीमा की किसी पॉलिसी की आमदनियाँ से किसी उधारदाता के अधिकार को नष्ट या समाप्त नहीं करेगा।
- उप-धाराओं (7) और (8) के प्रावधान बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 2015 के आरंभ होने के बाद भुगतान के लिए परिपक्व होने वाली जीवन बीमा की सभी पॉलिसियों पर लागू होंगे।
- जहां पॉलिसीधारक की मृत्यु पॉलिसी के परिपक्व होने के बाद हुई हो, लेकिन पॉलिसी की आय और हितलाभ का भुगतान उसे उसकी मृत्यु के कारण न हुए हों, तो उसके द्वारा नामित उसकी पॉलिसी के अंतर्गत आमदनी और हितलाभ को पाने का पात्र होगा।
- इस धारा के प्रावधान जीवन बीमा की ऐसी किसी पॉलिसी पर लागू नहीं होंगे, जिस पर धारा 6, विवाहित स्त्री संपत्ति अधिनियम 1874 लागू होता हो या कभी लागू किया गया हो।
शर्त यह है कि, जहां बीमा कानून (संशोधित) अधिनियम, 2015 के आरंभ होने से पहले बीमित व्यक्ति के पत्नी या उसकी पत्नी तथा बच्चों या उनमें से किसी के पक्ष में अभिव्यक्त रूप से नामांकन किया गया हो, चाहे वह पॉलिसी पर अंकित हो या नहीं, जैसा कि इस धारा के अंतर्गत किया गया है, कथित धारा 6 पॉलिसी पर लागू नहीं मानी जाएगी या लागू नहीं होगी।

Annexure – II

Nomination - As per section 39 of the Insurance Act, 1938, as amended by Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

1. The holder of a policy of life insurance on his own life may, when effecting the policy or at any time before the policy matures for payment, nominate the person or persons to whom the money secured by the policy shall be paid in the event of his death:

Provided that, where any nominee is a minor, it shall be lawful for the policy holder to appoint any person in the manner laid down by the insurer, to receive the money secured by policy in the event of his death during the minority of the nominee.

2. Any such nomination in order to be effectual shall, unless it is incorporated in the text of the policy itself, be made by an endorsement on the policy communicated to the insurer and registered by him in the records relating to the policy and any such nomination may at any time before the policy matures for payment be cancelled or changed by an endorsement or a further endorsement or a will, as the case may be, but unless notice in writing of any such cancellation or change has been delivered to the insurer, the insurer shall not be liable for any payment under the policy made bonafide by him to a nominee mentioned in the text of the policy or registered in records of the insurer.

3. The insurer shall furnish to the policy holder a written acknowledgement of having registered a nomination or a cancellation or change thereof, and may charge such fee as may be specified by regulations for registering such cancellation or change.

4. A transfer or assignment of a policy made in accordance with section 38 shall automatically cancel a nomination:

Provided that the assignment of a policy to the insurer who bears the risk on the policy at the time of the assignment, in consideration of a loan granted by that insurer on the security of the policy within its surrender value, or its reassignment on repayment of the loan shall not cancel a nomination, but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the insurer's interest in the policy:

Provided further that the transfer or assignment of a policy, whether wholly or in part, in consideration of a loan advanced by the transferee or assignee to the policyholder, shall not cancel the nomination but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the interest of the transferee or assignee, as the case may be, in the policy:

Provided also that the nomination, which has been automatically cancelled consequent upon the transfer or assignment, the same nomination shall stand automatically revived when the policy is reassigned by the assignee or retransferred by the transferee in favour of the policyholder on repayment of loan other than on a security of policy to the insurer.

5. Where the policy matures for payment during the lifetime of the person whose life is insured or where the nominee or, if there are more nominees than one, all the nominees die before the policy matures for payment, the amount secured by the policy shall be payable to the policyholder or his heirs or legal representatives or the holder of a succession certificate, as the case may be.

6. Where the nominee or if there are more nominees than one, a nominee or nominees survive the person whose life is insured, the amount secured by the policy shall be payable to such survivor or survivors.

7. Subject to the other provisions of this section, where the holder of a policy of insurance on his own life nominates his parents, or his spouse, or his children, or his spouse and children, or any of them, the nominee or nominees shall be beneficially entitled to the amount payable by the insurer to him or them under sub-section (6) unless it is proved that the holder of the policy, having regard to the nature of his title to the policy, could not have conferred any such beneficial title on the nominee.

8. Subject as aforesaid, where the nominee, or if there are more nominees than one, a nominee or nominees, to whom sub-section (7) applies, die after the person whose life is insured but before the amount secured by the policy is paid, the amount secured by the policy, or so much of the amount secured by the policy as represents the share of the nominee or nominees so dying (as the case may be), shall be payable to the heirs or legal representatives of the nominee or nominees or the holder of a succession certificate, as the case may be, and they shall be beneficially entitled to such amount.

9. Nothing in sub-sections (7) and (8) shall operate to destroy or impede the right of any creditor to be paid out of the proceeds of any policy of life insurance.

10. The provisions of sub-sections (7) and (8) shall apply to all policies of life insurance maturing for payment after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015.

11. Where a policyholder dies after the maturity of the policy but the proceeds and benefit of his policy has not been made to him because of his death, in such a case, his nominee shall be entitled to the proceed and benefit of his policy.

12. The provisions of this section shall not apply to any policy of life insurance to which section 6 of the Married Women's Property Act, 1874, applies or has at any time applied:

Provided that where a nomination made whether before or after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015, in favour of the wife of the person who has insured his life or of his wife and children or any of them is expressed, whether or not on the face of the policy, as being made under this section, the said section 6 shall be deemed not to apply or not to have applied to the policy.

परिशिष्ट III

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के अनुसार

1. जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी की तिथि से अर्थात् पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुनर्चलन की तिथि से या पॉलिसी पर राइडर की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति पर, जो भी बाद में हो, किसी भी आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है।

2. जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम आरंभ होने की तिथि या पॉलिसी के पुनर्चलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर किसी समय, जो भी बाद में हो, घोखेघड़ी के आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है।

शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या समनुदेशितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर यह फैसला लिया गया है।

स्पष्टीकरण 1: इस उप-धारा के प्रयोजन हेतु, घोखेघड़ी का अर्थ है बीमाधारक या उसके एजेंटों द्वारा बीमाकर्ता को धोखा देने या बीमाकर्ता को जीवन बीमा पॉलिसी जारी करने के लिए प्रभावित करने के इरादे से किया निम्नलिखित में से कोई कार्य:

अ. सुझाव, जो कि तथ्य रूप में सही नहीं है तथा जिसके सच होने पर बीमाधारक को विश्वास नहीं है;

ब. बीमाधारक द्वारा किसी तथ्य को छिपाना, जो उसकी जानकारी में था या उसकी वास्तविकता पर उसे विश्वास था;

स. घोखेघड़ी के इरादे से उठाया गया कोई अन्य कदम; तथा

द. कोई अन्य ऐसा कदम या भूल-चूक जिसे कानून विशेष रूप से धोखाघड़ी मानता हो।

स्पष्टीकरण 11: बीमाकर्ता द्वारा जोखिम के आकलन को प्रभावित करने वाले तथ्यों के बारे में सिर्फ चुप रहना घोखेघड़ी नहीं है, जब तक कि मामले की परिस्थितियों के अनुसार, बीमाधारक या उसके एजेंट का यह कर्तव्य है। बोलने से चुप रहना या अन्यथा उसकी खामोशी अपने आप में बोलने के बराबर हो।

3. उपधारा (2) में कुछ भी निहित होने के बावजूद, कोई भी बीमाकर्ता किसी जीवन बीमा पॉलिसी को धोखेघड़ी के आधार पर अस्वीकृत नहीं कर सकता है, अगर बीमाधारक/लाभार्थी यह

प्रमाणित कर सके कि उसके द्वारा की गई गलतबयानी उसकी अधिकतम जानकारी के अनुसार सही थी और उसने जानबूझकर तथ्यों को छिपाने की कोशिश नहीं की या कथित गलतबयानी या

महत्त्वपूर्ण तथ्य को छिपाया जाना बीमाकर्ता की जानकारी में था। धोखेघड़ी के मामले में इसे गलत साबित करने का दायित्व लाभार्थियों पर है अगर पॉलिसीधारक जीवित नहीं है।

स्पष्टीकरण-कोई व्यक्ति जो बीमा की संविदा का आयह और उसकी सौदेबाजी करता है उसे संविदा के प्रयोजन के लिए बीमाकर्ता का एजेंट माना जाएगा।

4. जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को पॉलिसी के जारी करने की तिथि से या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुनर्चलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर, जो भी बाद में हो, किसी भी समय, इस आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है कि बीमित व्यक्ति के जीवनकाल से संबंधित किसी तथ्य को प्रस्ताव प्रपत्र में या किसी अन्य कागजात में, जिसके आधार पर पॉलिसी जारी की गई थी या पुनर्चलित की गई थी या राइडर जारी किया गया था, छिपाया गया था या गलत दिखाया गया था।

शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामांकित व्यक्तियों या समनुदेशितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर जीवन बीमा की पॉलिसी को अस्वीकृत करने का यह फैसला लिया गया है। आगे शर्त यह है कि महत्वपूर्ण तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने के आधार पर पॉलिसी को अस्वीकृत किए जाने तथा धोखेघड़ी की स्थिति न होने पर, अस्वीकृति की तिथि तक पॉलिसी पर जमा किए गए सभी प्रीमियमों का भुगतान बीमाधारक या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या समनुदेशितों को ऐसी अस्वीकृति की तिथि से नब्बे दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण-इस उपधारा के प्रयोजन हेतु, किसी तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने को तब तक महत्वपूर्ण नहीं माना जाएगा, जब तक कि उसका बीमाकर्ता द्वारा स्वीकार किए गए जोखिम पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव न हो, यह प्रमाणित करने का दायित्व बीमाकर्ता का होगा कि अगर बीमाकर्ता को स्थापित तथ्य की जानकारी होती तो वह बीमाधारक को यह जीवन बीमा पॉलिसी जारी नहीं करता।

5. इस धारा में निहित कुछ भी बीमाकर्ता को किसी भी समय उम्र का प्रमाण मांगने से नहीं रोकती है, अगर वह इसके लिए अधिकृत है तथा किसी पॉलिसी को सिर्फ इसलिए प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है क्यों कि प्रस्ताव में गलत उल्लेख की गई बीमित व्यक्ति की उम्र को सबूत के आधार पर बाद में समायोजित किया गया था।

Annexure-III

Section- 45 as per Insurance Act, 1938, as amended by Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

1. No policy of life insurance shall be called in question on any ground whatsoever after the expiry of three years from the date of the policy, i.e. from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later.

2. A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later on the ground of fraud:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision is based.

Explanation I.-For the purposes of this sub-section, the expression "fraud" means any of the following acts committed by the insured or by his agent, with the intent to deceive the insurer or to induce the insurer to issue a life insurance policy:-

- the suggestion, as a fact of that which is not true and which the insured does not believe to be true;
- the active concealment of a fact by the insured having knowledge or belief of the fact;
- any other act fitted to deceive; and
- any such act or omission as the law specially declares to be fraudulent.

Explanation II.- Mere silence as to facts likely to affect the assessment of the risk by the insurer is not fraud, unless the circumstances of the case are such that regard being had to them, it is the duty of the insured or his agent, keeping silence to speak, or unless his silence is, in itself, equivalent to speak.

3. Notwithstanding anything contained in subsection (2), no insurer shall repudiate a life insurance policy on the ground of fraud if the insured can prove that the misstatement of or suppression of a material fact was true to the best of his knowledge and belief or that there was no deliberate intention to suppress the fact or that such misstatement of or suppression of a material fact are within the knowledge of the insurer:

Provided that in case of fraud, the onus of disproving lies upon the beneficiaries, in case the policyholder is not alive.

Explanation – A person who solicits and negotiates a contract of insurance shall be deemed for the purpose of the formation of the contract, to be the agent of the insurer.

4. A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later, on the ground that any statement of or suppression of a fact material to the expectancy of the life of the insured was incorrectly made in the proposal or other document on the basis of which the policy was issued or revived or rider issued:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision to repudiate the policy of life insurance is based:

Provided further that in case of repudiation of the policy on the ground of misstatement or suppression of a material fact, and not on the ground of fraud the premiums collected on the policy till the date of repudiation shall be paid to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured within a period of ninety days from the date of such repudiation.

Explanation. - For the purposes of this sub-section, the misstatement of or suppression of fact shall not be considered material unless it has a direct bearing on the risk undertaken by the insurer, the onus is on the insurer to show that had the insurer been aware of the said fact no life insurance policy would have been issued to the insured.

5. Nothing in this section shall prevent the insurer from calling for proof of age at any time if he is entitled to do so, and no policy shall be deemed to be called in question merely because the terms of the policy are adjusted on subsequent proof that the age of the life insured was incorrectly stated in the proposal.

Annexure – IV

Guaranteed Surrender Value factors applicable to total premiums paid				
		Policy Term (Premium Paying Term)...>		
		16 (10)	21(15)	25 (16)
Policy Year	1	0.00%	0.00%	0.00%
	2	0.00%	0.00%	0.00%
	3	30.00%	30.00%	30.00%
	4	50.00%	50.00%	50.00%
	5	50.00%	50.00%	50.00%
	6	50.00%	50.00%	50.00%
	7	50.00%	50.00%	50.00%
	8	53.75%	52.30%	51.80%
	9	57.50%	54.60%	53.50%
	10	61.25%	56.90%	55.30%
	11	65.00%	59.20%	57.10%
	12	68.75%	61.50%	58.80%
	13	72.50%	63.80%	60.60%
	14	76.25%	66.20%	62.40%
	15	80.00%	68.50%	64.10%
	16	80.00%	70.80%	65.90%
	17		73.10%	67.60%
	18		75.40%	69.40%
	19		77.70%	71.20%
	20		80.00%	72.90%
	21		80.00%	74.70%
	22			76.50%
	23			78.20%
	24			80.00%
	25			80.00%

Annexure – V

Guaranteed Surrender Value factors applicable to vested bonuses				
		Policy Term (Premium Paying Term)...>		
		16 (10)	21(15)	25 (16)
Policy Year	1	0.00%	0.00%	0.00%
	2	0.00%	0.00%	0.00%
	3	17.58%	15.93%	15.28%
	4	17.66%	16.22%	15.42%
	5	17.85%	16.58%	15.55%
	6	18.16%	17.03%	15.72%
	7	18.60%	17.58%	15.93%
	8	19.18%	17.58%	16.22%
	9	19.93%	17.66%	16.58%
	10	20.85%	17.85%	17.03%
	11	21.99%	18.16%	17.58%
	12	23.38%	18.60%	17.58%
	13	25.05%	19.18%	17.66%
	14	27.06%	19.93%	17.85%
	15	30.00%	20.85%	18.16%
	16	35.00%	21.99%	18.60%
	17		23.38%	19.18%
	18		25.05%	19.93%
	19		27.06%	20.85%
	20		30.00%	21.99%
	21		35.00%	23.38%
	22			25.05%
	23			27.06%
	24			30.00%
	25			35.00%